RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः127, शुक्रवार , 16 मई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने शिक्षा, न्याय, संवाद कार्यक्रम का आयोजन कर ... 03

गोविंदगंज-सलेमपुर घाट पर पुल निर्माण की मांग, जदयू नेता साकेत... 04

मैं अभी शुरुआती दौर में हूं : पलक तिवारी 07

अब भारतीय हवाई अड्डों पर काम नहीं कर पाएगी तुर्किये की कंपनी सेलेबी

केंद्र ने रद्द की सुरक्षा मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारतीय हवाई अड्डे पर तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। यह जानकारी एक आधिकारिक आदेश के जरिए दी गई। विमानन मंत्रालय के आदेश में कहा गया, सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को ग्राउंड हैंडलिंग की सुरक्षा मंजूरी 21 नवंबर 2022 को दी गई थी, उसे अब देश की सुरक्षा के हित में तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है।

ऑपरेशन केलर से कांपे आतंकी, पुलवामा-शोपियां में 6 ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों हत्या की, इस हत्या की आग अभी शांत भी नहीं हुई थी कि आतंक के सौदागरों ने पुलवामा में नापाक इरादे दिखाने की हिमाकत की। लेकिन भारत माता के वीर सपूत, हमारी जांबाज सेना के सजग प्रहरी पल भर भी चूके नहीं। उन्होंने दुश्मनों की हर

नापाक कोशिश को मिट्टी में मिला दिया। पुलवामा की धरती तीन आतंकवादियों - आसिफ अहमद शेख, अमीर नज़ीर वानी और यावर अहमद भट्ट के खून से लाल हो गई। ये सभी जैश-ए-मोहम्मद के नापाक मंसूबों को लेकर आए थे। इधर पुलवामा के बाद शोपियां में भी आतंकियों ने नापाक हरकत को अंजाम देने की कोशिश की।

500 करोड़ के बांके बिहारी कॉरिडोर को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

मथुरा (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाने को लेकर रास्ता साफ हो गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉरिडोर बनाने की मंजूरी दे दी। अब 5 एकड़ में भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा। कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपए से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिगृहीत करने की इजाजत दी है। साथ ही शर्त लगाई कि अधिगृहीत भूमि देवता के नाम पर पंजीकृत होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को भी संशोधित किया। हाईकोर्ट ने मंदिर के आसपास की भूमि को सरकारी धन का उपयोग करके खरीदने पर रोक लगा दी थी। बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर हाईकोर्ट के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में ईश्वर चंद्र शर्मा ने याचिका दाखिल की थी।

गवर्नर-प्रेसिडेंट के लिए डेडलाइन बनाने पर राष्ट्रपतिमुर्मू के 14 सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन तय करने पर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है।

मुर्मू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसी बातों पर स्पष्टीकरण मांगा है। ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था।

परमाणु हथियारों पर भारत के रुख से सहमा पाकिस्तान !

● IAEA की निगरानी की बात सुनते ही बौखला गया ● राजनाथ सिंह ने श्रीनगर में सैनिकों से मुलाकात कर हालचाल जाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। राजनाथ सिंह के पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर दिए बयान के बाद पाकिस्तान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ सिंह को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बारे में जानकारी नहीं है और उनका बयान उनकी 'असुरक्षा और निराशा' को दर्शाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर दिए बयान पर पाकिस्तान ने भी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने कह दिया है कि राजनाथ सिंह को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बारे में जानकारी नहीं है।

सीएनए ने कर दिया नया दावा ,भारत के पाक के परमाणु ठिकाने पर हवाई हमले के बाद अमेरिका को बीचबचाव के लिए आना पड़ा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने नया दावा किया है। सीएनएन ने दावे में कहा है कि भारत के पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने पर हवाई हमले के बाद अमेरिका को बीचबचाव के लिए आना पड़ा। इसमें कहा गया कि अमेरिका को डर लगने लगा कि भारत ने पाकिस्तान को घेर लिया है और इससे दोनों पक्ष परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के अकल्पनीय विकल्प तक पहुंच सकते हैं।

आईएईए की निगरानी की बात सुनते ही बौखलाया

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'राजनाथ सिंह का बयान दिखाता है कि उन्हें (आईएईए) के काम के बारे में जानकारी नहीं है। मंत्रालय ने कहा, ये बातें सुनकर लगता है कि वो पाकिस्तान की ताकत से परेशान हैं। उन्हें डर है कि पाकिस्तान, भारत के हमलों से अपना बचाव कर सकता है। पाकिस्तान के पास अपनी सुरक्षा के लिए काफी ताकत है। उसे न्यूक्लियर ब्लैकमेल की जरूरत नहीं है, जैसी कि दिल्ली को है। दरअसल, राजनाथ सिंह ने गुरुवार को श्रीनगर में सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा था कि पाकिस्तान ने गैर जिम्मेदाराना तरीके से भारत को धमकी दी है।

- **भारत के माथे पर वार करने वालों की छाती पर घाव किया-** राजनाथ ने कहा- पाकिस्तान जहां से खड़ा होता है वहां से मांगने वालों की लाइन शुरू हो जाती है। हाल ही में पाकिस्तान आईएमएफ से कर्ज मांगने गया। जबकि भारत उसी आईएमएफ को फंड देता है। रामचरित मानस में कहा गया है जहां सुमति तहं संपति नाना, जहां कुमति तहं विपत निधाना। यानी जहां सुमति होती है वहां संपन्नता आती है। जहां कुमति होती है वहां विपत्ति आती है। हमने तय किया कि धरती की छाती चीरकर दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करेंगे। मैं मानता हूं कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ की गई यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। हमने दिखा दिया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने भारत के मस्तिष्क पर वार किया तो हमने उनकी छाती पर वार किया। साथियों आपको याद होगा लगभग 21 साल पहले स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सामने इस्लामाबाद ने डिक्लेयर किया था कि पाकिस्तान से आतंकवाद एक्सपोर्ट नहीं किया जाएगा।

पलटू ट्रंप फिर पलटे

भारत-पाकिस्तान के बीच मैंने सीजफायर व मध्यस्थता नहीं कराई, सिर्फ मदद की

वाशिंगटन/कतर (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को 5 दिन बाद भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के बयान से पलट गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, लेकिन मैंने मदद की है।

ट्रम्प ने कहा, मैं ये नहीं कहता कि ये मैंने किया, लेकिन ये पक्का है कि पिछले हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच जो हुआ, मैंने उसे सैटल करने में मदद की। भारत-पाकिस्तान के बीच और भी भयावह हो सकता था। दोनों देशों ने अचानक मिसाइल दागना शुरू कर दिया और हमने सब सैटल कर दिया।

ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का ऐलान किया था। कहा था, मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को समझदारी दिखाने के लिए बधाई।

ट्रम्प ने 15 मई को कतर में कहा-मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं निकलता और दो दिन बाद पता चलता कि मामला सुलझा नहीं है।

एमपी के मंत्री विजय शाह पर बढ़ा इस्तीफे का दबाव

एक मंत्री होकर आप ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं : सुको

● सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की फटकार के बाद सियासी उथल-पुथल तेज ● एफआईआर की भाषा से हाईकोर्ट नाराज, कहा खानापूर्ति कर दी

नईदिल्ली/जबलपुर/भोपाल (एजेंसी)। महिला सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर मंत्री विजय शाह के विवादित बयान पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि आप संवैधानिक पद पर हैं और आपको अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। एक मंत्री होकर आप किसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जस्टिस अतुल श्रीधरन तथा जस्टिस अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ लिखी गई एफआईआर की कॉपी पर भी सवाल उठाए हैं। इधर सियासी उथल-पुथल भी तेज हो गई है। उमा भारती भी इस मामले में लगातार मंत्री शाह के इस्तीफे की मांग कर रही हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के मंत्री के विवादित बयान पर दर्ज एफआईआर की भाषा पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने गुरुवार को मंत्री विजय शाह के खिलाफ एफआईआर को सिर्फ खानापूर्ति बताया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि अब इस पुलिस जांच की निगरानी कोर्ट करेगी। जांच किसी दबाव में प्रभावित ना हो इसलिए ऐसा करना जरूरी है। हाईकोर्ट इस मामले में छुट्टियों के बाद फिर सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री से जिम्मेदारी की उम्मीद की जाती है- इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आप हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। आप किस तरह के बयान दे रहे हैं? देखना चाहिए कि कैसे हालात हैं? आप जिम्मेदार पद पर हैं, जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

बयान पर विवाद बढ़ा तो शाह ने माफी मांगी- विजय शाह ने बुधवार को वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, मैं शर्मिंदा हूं, दुखी दिल से माफी चाहता हूं। मेरे भाषण में मेरी मंशा थी कि समाज के बीच सेना और सोफिया बहन के कामों को ठीक से रखूं, लेकिन दुखी और विचलित मन से कुछ ऐसे शब्द जुबान से निकल गए, जिसके कारण मैं अब शर्मिंदा हूं। पूरे समाज और समुदाय से मैं इस बात के लिए हाथ जोड़कर माफी चाहता हूं।

कांग्रेस की मांग, शाह को पार्टी से निकाले भाजपा- मंत्री विजय शाह के बयान पर हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान और एफआईआर के निर्देश देने के बाद कांग्रेस ने विजय शाह पर केस दर्ज करने की मांग की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने कहा है कि विजय शाह को भाजपा से भी तत्काल प्रभाव से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

रामगोपाल यादव की विवादित टिप्पणी

मुरादाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ीं कर्नल सोफिया के बाद अब विंग कमांडर व्योमिका सिंह के बारे में विवादित टिप्पणी की गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा रामगोपाल यादव ने उनके लिए जातिसूचक शब्दों का

इस्तेमाल किया। इनमें कुछ ऐसे शब्द हैं, जो हम लिख नहीं सकते हैं। गुरुवार को यूपी के मुरादाबाद में रामगोपाल ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ शामिल विंग कमांडर व्योमिका सिंह हरियाणा की जाटव है... हैं। लेकिन भाजपा ने राजपूत समझकर व्योमिका के बारे में कुछ नहीं कहा, जबकि मुसलमान होने पर भाजपा के मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी को गाली दी। प्रोफेसर रामगोपाल यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा- ऑपरेशन सिंदूर में एयर ऑपरेशन को अंजाम देने वाले एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती यादव हैं।

'पीओके' पर तीसरे देश का दखल मंजूर नहीं

जयशंकर ने चीन को भी लताड़ा, बोले- सैटेलाइट तस्वीरें बता रही सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (एनएससी) में टीआरएफ आतंकी संगठन के खिलाफ सबूत पेश करने का फैसला किया है। भारत की मांग है कि इस आतंकी संगठन पर बैन लगाया जाए। टीआरएफ पर बैन लगाने के मामले पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, इस मामले पर वास्तव में भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों ने साफ तौर पर कहा है पहलगाम हमले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। विदेश मंत्री ने भारत-पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई पर कहा कि दुनिया ने देखा कि पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने के लिए चीनी ड्रोन का इस्तेमाल किया। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है। वहीं,जयशंकर ने एक बार फिर अमेरिका को इशारों-इशारों में बता दिया कि कश्मीर का मुद्दा द्विपक्षीय है। इस मामले पर किसी भी तीसरे देश का दखल सही नहीं है।

जयपुर में 4 युवक-युवती डूबे, मौत

तालाब में नहाने उतरी थी लड़की, पैर फिसला; बचाने के चक्कर में साथी भी डूब गए

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में गुरुवार दोपहर डूबने से 3 युवतियों समेत चार लोगों की मौत हो गई। चारों युवक-युवतियां फार्म के पोंड में नहाने गए थे। नहाते समय एक युवती का पैर फिसल गया। उसे बचाने के चक्कर में तीनों साथी भी डूब गए।

'मैं पार्टी का प्रवक्ता नहीं, देश के लिए बोलता हूं', शशि थरूर ने कांग्रेस को दिखाया तेवर

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पार्टी के 'लक्ष्मण रेखा' वाली टिप्पणी पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का प्रवक्ता नहीं हूं। इस वक्त हमें देश के लिए खड़ा होना चाहिए, खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय पटल पर।

दरअसल थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर पर केंद्र सरकार की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान और दुनिया के लिए मजबूत संदेश है। इसके बाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कथित तौर पर यह ये कहा गया कि शशि थरूर ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है। थरूर ने आगे कहा, मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मैं पार्टी का प्रवक्ता नहीं हूं, ना ही मैं सरकार का प्रवक्ता हूं। लोगों को अगर लगता है कि मुझे किसी बारे में जानकारी है, तो वे मेरे व्यूज पूछते हैं।

400 लोगों के साथ 'फुले' देखकर निकले राहुल गांधी, एंट्री नहीं मिलने पर कांग्रेसियों ने किया हंगामा

दरभंगा, पटना (एजेंसी)। दरभंगा में एनएसयूआई के 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राहुल गांधी गुरुवार दोपहर 2 बजे पटना पहुंचे। एयरपोर्ट से वो सीधे सिटी सेंटर मॉल पहुंचे। वहां 400 सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ थिएटर में 2 घंटे 9 मिनट की 'फुले' मूवी देखी। राहुल गांधी 4.54 बजे थिएटर से बाहर निकले और एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। यह मूवी समाज सुधारक ज्योतिबा फुले पर आधारित है। वहीं, फिल्म का पास होने के बावजूद थिएटर में एंट्री नहीं मिलने पर कई लोगों ने हंगामा किया।

शो के 400 टिकट बुक, नेताओं की एंट्री नहीं- सिटी सेंटर के आईनोक्स मूवी थिएटर के ऑडिटोरियम- 1 में 2.20 बजे से 5.20 बजे तक के शो के लिए 400 टिकट बुक किए गए हैं। 'फुले' मूवी के शो के लिए स्पेशल पास बांटे गए हैं।

राहुल बोले-

आपको बोलने नहीं दिया जा रहा- दरभंगा में राहुल ने कहा कि 24 घंटे अत्याचार हो रहा है। आपके खिलाफ पेपर लीक हो रहा है। आपको बोलने नहीं दिया जा रहा है। सही तरीके से जातीय जनगणना होना चाहिए। 90 प्रतिशत आबादी के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। सीनियर ब्यूरोक्रेसी में आपके लोग जीरो, डॉक्टर में आपके कितने लोग..जीरो, एजुकेशन सिस्टम में आपके कितने लोग जीरो, मेडिकल सिस्टम के मालिकों को देखो तो जीरो। मनरेगा की लिस्ट देखो तो सारे के सारे लोग आपके हैं। मजदूरों की लिस्ट निकालो तो आपके लोगों से भरी पड़ी है। सारा का सारा धन और ठेकेदारी 8-10 प्रतिशत लोगों के हाथों में जाता है।

लोकसभा में हमने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि आपको जाति जनगणना करानी पड़ेगी। संविधान को माथे से लगाना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

मगध ग्रुप ऑफ एजुकेशन के कॉलेजों में मना अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

गया, एजेंसी। मगध ग्रुप ऑफ एजुकेशन के तहत आने वाले कॉलेज-मगध पारामेडिकल एंड नर्सिंग कॉलेज, मगध इंस्टिट्यूट ऑफ हाईयर एजुकेशन और विवेकानंद पारामेडिकल नर्सिंग कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस धूमधाम से मनाया गया। बतौर मुख्य अतिथि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार शामिल हुए। अच्छे प्रदर्शन करने वाले शैक्षणिक टॉपर्स और होनहार छात्रों को पुरस्कार और सम्मान दिया गया। मौके पर सिविल सर्जन राजाराम प्रसाद, कॉलेज के निदेशक राजेश कुमार पांडेय, सचिव रूबी कुमारी और कार्यकारी निदेशक ऋषा पांडेय आदि मौजूद रहे।

दो ट्रकों की टक्कर में, एक चालक की मौत दूसरा घायल

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के बलहा चौक के पास एनएच-31 पर मंगलवार की देर रात दो बजे दो ट्रकों में आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें एक चालक की मौत हो गई। दूसरे ट्रक का चालक और खलासी घायल हो गया, जिसे मायागंज अस्पताल, भागलपुर रेफर कर दिया गया है। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटोरी थाना क्षेत्र के डुमरी निवासी रामनाथ राय (50 वर्ष) पिता रामेश्वर राय के रूप में हुई। घटना की सूचना पर भवानीपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। वहीं दूसरे ट्रक का चालक बांका जिला निवासी आदर्श कुमार (35 वर्ष) और खलासी अरविंद सिंह घायल हो गए। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर महेश कुमार ने बताया कि परिजनों को सूचित कर दिया गया है। बुधवार को परिजन अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। घटना की प्राथमिकी यातायात थाने में दर्ज करायी जा रही है।

बेटी के ऑर्केस्ट्रा में जाने पर मां को बांधकर पीटा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया स्थित एक ऑर्केस्ट्रा में शामिल होने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने मंगलवार रात करीब एक बजे युवती की मां को पेड़ से बांधकर बुरी तरह पीटा। पुलिस के पहुंचने की भनक लगने पर बुधवार सुबह पेड़ से बंधी महिला को खोल दिया गया। इसी दौरान युवती गांव पहुंची, तो ग्रामीणों ने उसके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। युवती ऑर्केस्ट्रा में शामिल नहीं होने की बात कहकर गुहार लगाती रही, लेकिन भीड़ ने उसकी नहीं सुनी। उसे भी बुरी तरह पीटा गया। मां-बेटी को गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना पर डायल 112 की पुलिस, मुखिया पति पुरुषोत्तम राय और सरपंच मदन तिवारी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस और जनप्रतिधिधियों के पहुंचते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए। भीड़ ने पुलिस के लिए अपशब्द बोलते हुए लाठी-डंडा और ईंट पत्थर से हमला कर दिया।

बिहार में 40 हजार से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मियों की भर्ती दरभंगा में 1700 बेड का अस्पताल : मंगल पांडेय

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि राज्य में जल्द ही 41 हजार स्वास्थ्यकर्मियों और मानव बल की बहाली की जाएगी। उन्होंने बुधवार को मुजफ्फरपुर और दरभंगा में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का शुभारंभ किया। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले गांवों में अस्पताल नहीं थे। जो अस्पताल थे, वह भी खंडहर थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास हो रहा है। सरकार का ध्यान ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को विकसित करने पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पताल खोले जा रहे हैं। मंत्री ने मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल परिसर में बने मॉडल अस्पताल का उद्घाटन किया। साथ ही जिले के 27 नये हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों का ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि मॉडल सदर अस्पताल के निर्माण पर 29 करोड़ 80 लाख की लागत आयी है। 27 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 11.56 करोड़ का खर्च आएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मॉडल सदर अस्पताल में 100 बेड हैं। एक जून से यहां सारी सुविधाएं शुरू हो जाएंगी। अस्पताल के निचले तल पर 16 विभागों की ओपीडी चलेंगी। अस्पताल में 20 बेड इमरजेंसी के लिए हैं। पहले फ्लोर पर आईपीडी और ऑपरेशन थियेटर है। मौके पर पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, पूर्व मंत्री रामसूरत राय, सांसद वीणा देवी, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, नगर विधायक विजेंद्र चौधरी, पूर्व विधायक बेबी कुमारी, प्राचार्य प्रो. ममता रानी, क्षेत्रीय अपर निदेशक डॉ सरिता शंकर, अधीक्षक डॉ बीएस झा, सीएस डॉ अजय कुमार, प्रभारी एसीएमओ डॉ चंद्रशेखर प्रसाद मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने पांच प्रखंडों के एक-एक एनएम को एईएस किट बांटा। उधर, दरभंगा में स्वास्थ्य मंत्री ने कर्पूरी चौक स्थित मेडिकल ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि बीते 20 वर्षों में सूबे की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक बदलाव हुआ है। पहले लोग सरकारी अस्पताल में आना नहीं चाहते थे। अब रोजाना हजारों लोग उपचार के लिए आ रहे हैं। मुख्यमंत्री की सात निश्चय योजना के तहत अस्पताल खुल रहे हैं। डॉक्टर-नर्सों की तैनाती हो रही है। उन्होंने यहां 14 करोड़ चार लाख की लागत से बने प्री-फैब्रिकेडड नर्सिंग हॉस्टल का उद्घाटन किया और डीएमसीएच के न्यू सर्जिकल भवन में 10 ओटी मरीजों के उपचार के लिए समर्पित किया। मंत्री ने कहा कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में जल्द 1700 बेड के अस्पताल का निर्माण शुरू होगा। इसके बाद दरभंगा के मरीजों को पटना जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार आरोग्य मंदिर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। पहले जितनी दवाएं मिलती थीं, अब उसे दोगुनी दवा मुफ्त मिल रही हैं। मौके पर भूमि सुधार व राजस्व मंत्री संजय सरावगी, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, सांसद गोपाल जी ठाकुर, राज्य सभा सदस्य धर्मशीला गुप्ता, विधायक मुरारी मोहन झा, रामचंद्र प्रसाद, भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य प्रकाश मन्ना, लोजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर, जदयू जिलाध्यक्ष गोपाल मंडल आदि मौजूद थे।

मरीजों ने दवा और डॉक्टर नहीं रहने की शिकायत की

मुजफ्फरपुर में स्वास्थ्य मंत्री के कार्यक्रम में कुछ मरीज पहुंच गए और अस्पताल में दवा व डॉक्टर नहीं रहने की शिकायत की। मरीज राजेश भगत ने कहा कि उसे तीन में दो ही दवा मिली है। हड्डी विभाग में डॉक्टर नहीं हैं। एक मरीज विनोद साह ने कहा कि वह ईसीजी कराने के लिए परेशान है। आशा कार्यकर्ताओं ने मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। संघ की अनीता शर्मा ने कहा कि उनका मानदेय छह महीने से लंबित है। उन्होंने प्रोत्साहन राशि पुनरीक्षण करने की मांग की। इसपर मंत्री ने जल्द कदम उठाने का आश्वासन दिया।

मौसेरे भतीजे ने चोरी का आरोप लगाकर की मारपीट

हाजीपुर, एजेंसी। वैशाली में मंगलवार को एक जेवर दुकानदार ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के दौलतपुर देवरिया गांव में हुई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय प्रकाश चौधरी के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी देवनाथ चौधरी के पुत्र थे। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के अनुसार, मृतक प्रकाश चौधरी पर उनके ही मौसेरी बहन के बेटे ने बार-बार चोरी का झूठा आरोप लगाया था। आरोप लगाने के साथ-साथ वह अक्सर उनके साथ मारपीट भी करता था। इस वजह से वे पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थे मृतक के बेटे ने बताया कि मंगलवार को उनके पिता ने खाना खाने से इनकार कर दिया और घर से बाहर निकल गए। थोड़ी देर बाद वे कुछ खरीदकर लाए और उसे खा लिया। कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। तत्काल उन्हें जोहरी बाजार स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।

ब्रायलर चूजे और फर्टाइल अंडे में बिहार भी आत्मनिर्भर होगा

भागलपुर, एजेंसी। ब्रायलर चूजे और फर्टाइल अंडे में बिहार भी आत्मनिर्भर होगा। इसके लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों में 10 नये प्लांट लगाने की योजना बनाई गई है। अभी सिर्फ 16 प्लांट ही राज्य में लगे हैं। जो जरूरत का महज 18 फीसदी पूरा कर रहा है। अभी भी 82 प्रतिशत चूजे और फर्टाइल अंडे दूसरे राज्यों से मंगाया जा रहे हैं।

मछली उत्पादन में बढ़ोतरी के बाद जैसे आंध्र प्रदेश का साम्राज्य बिहार से टूट गया। इसी तरह चूजे और अंडे में भी आंध्र प्रदेश का साम्राज्य तोड़ने की कवायद हो रही है। बता दें कि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्य अंडा उत्पादन में अग्रणी हैं। जानकारों ने बताया कि दूसरे राज्यों से चूजे और फर्टाइल अंडे की आवक बिहार में रोकने के लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने नये प्लांट लगाने की योजना पर काम शुरू किया है।

अभी 11.70 करोड़ रुपये नये प्लांट के लिए जारी किया गया है, ताकि दूसरे राज्यों पर निर्भरता खत्म हो जाए। अभी सभी जिलों में हैचरी प्लांट लगाने की योजना बनाई गई है। लेकिन इसमें निवेश अधिक करना होगा। विभाग के अधिकारी बताते हैं, एक प्लांट पर साढ़े तीन करोड़ का खर्च आता है। प्लांट के लिए ढाई एकड़ जमीन की जरूरत होगी।

10 करोड़ ब्रायलर चूजे व 90 लाख अंडे प्रतिमाह खपत : अधिकारी बताते हैं, राष्ट्रीय स्तर पर हुए सर्वेक्षण में पाया गया कि अभी बिहार में प्रतिमाह 10 करोड़ ब्रायलर चूजे व 90 लाख अंडे की खपत है। जबकि राज्य के 16 प्लांट से जरूरत का सिर्फ 18 प्रतिशत यानी 18 लाख ब्रायलर चूजे का उत्पादन हो रहा है। प्लांट इंस्टालेशन में चूंकि इन्वेस्टमेंट अधिक होता है, इसलिए एससीएसटी वर्ग के लाभुकों को 40 एवं अन्य को 30 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। अभी एक प्लांट में 10 हजार मुर्गे-मुर्गियों को रखने की व्यवस्था होगी। एक प्लांट में 9 हजार पैरेंट मुर्गी एवं एक हजार पैरेंट मुर्गा को रखने की सुविधा होगी।

कहते हैं पदाधिकारी

पशुपालन पदाधिकारी, डॉ. अंजली कुमारी ने कहा कि योजना का कार्यान्वयन पशुपालन निदेशालय स्तर पर किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन लिया जाएगा। आवेदकों की प्रारंभिक जांच एवं अंतिम चयन पशुपालन निदेशालय के स्तर पर किया जाएगा।

पहाड़पुर स्टेशन के टिकट काउंटर पर सीआईबी और आरपीएफ का छापा, दो गिरफ्तार

गया, एजेंसी। गया-कोडरमा रेल सेक्शन के पहाड़पुर रेलवे स्टेशन के आरक्षित टिकट काउंटर पर सीआईबी धनबाद और आरपीएफ कोडरमा ने बुधवार को छापा मारा। इस दौरान वहां से रेल टिकट के अवैध धंधे में संलिप्त दो लोगों को गिरफ्तार किया। उसके पास से 6360 रुपये के दो अदद रेल टिकट भी बरामद हुए। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया है कि रेल टिकट के अवैध कारोबार करने की गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना पर पहाड़पुर रेलवे स्टेशन के कंप्यूटरीकृत आरक्षण काउंटर पर तत्काल के समय आसूचना शाखा धनबाद और आरपीएफ कोडरमा ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। इस छापेमारी में कमलेश कुमार साव और रोहित कुमार पासवान, दोनों ग्राम-पहाड़पुर बस्ती, थाना-फतेहपुर को रेल टिकट का अवैध कारोबार करने के जुर्म में रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। साथ ही उसके पास से रेल टिकट काउंटर से काटे गए 6360 रुपये के 2 अदद रेल टिकट बरामद हुए।

इसमें एक अदद अग्रिम यात्रा का कोडरमा से सीएसएमटी मुंबई का टिकट और एक अदद अग्रिम यात्रा का पहाड़पुर से नई दिल्ली का टिकट शामिल है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए दोनों लोगों ने बताया कि वह कभी कभार अवैध रूप से रेलवे का टिकट बनाने व उसका करोबार करता लेता है। उसने 300 से 400 रुपये अधिक लेकर टिकट की बिक्री कर देने की बात स्वीकार की है। उसके खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोडरमा पर कांड दर्ज कर उसे पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। जांच का भार सउनि धर्मेन्द्र कुमार दुबे, रेलवे सुरक्षा बल आउट पोस्ट गुरपा को दिया गया है।

बिहार के जनजातीय समूह को अब मिलेगा पक्का मकान, पीएम जन-मन योजना होगी लागू

पटना, एजेंसी। पीएम जन-मन योजना के तहत अब बिहार के जनजातीय समूह को पक्का मकान बनाने के लिए दो-दो लाख रुपये दिये जाएंगे। विभिन्न राज्यों में इस योजना का लाभ वर्ष 2023 से दिया जा रहा है। वहीं, इस साल बिहार में यह लागू हो रहा है। ग्रामीण विकास विभाग इसकी तैयारी शुरू कर दी है। राज्य की जनजाति आबादी वाले जिलों में ही इस योजना के तहत लाभुकों का चयन किया जाएगा। इसके लिए संबंधित जिलों में सर्वेक्षण कर परिवारों को चिह्नित किया जाएगा। इस योजना के तहत कच्चे मकान में रह रहे कमजोर जनजातीय समूह के परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए चयन किया जाएगा। मालूम हो

कि बिहार के कटिहार, पश्चिम चंपारण, पूर्णिया, जमुई, बांका, सुपौल और किशनगंज में जनजाति की आबादी अपेक्षाकृत अधिक है। विभाग जल्द ही इन जिलों को दिशा-निर्देश जारी करेगा। जानकारी के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष में करीब डेढ़ हजार परिवारों का चयन इस योजना के तहत किया जाएगा। मालूम हो कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पक्का मकान बनाने के लिए लाभुकों को एक लाख 20 हजार दिये जाते हैं। वहीं, पीएम जन-मन योजना के तहत चयनित परिवार को दो-दो लाख की राशि दी जाएगी।

बिहार में डेढ़ लाख गाड़ियों के मालिकों पर चला ट्रांसपोर्ट विभाग का चाबुक, रजिस्ट्रेशन कैंसिल होगा

पटना, एजेंसी। परिवहन विभाग ने उत्तर पूर्व के 13 जिलों की एक लाख 51 हजार 633 गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का निर्णय लिया है। चिह्नित लापरवाह वाहन मालिकों को नोटिस और फोन से सूचना देने के बाद कार्रवाई की प्रकिया शुरू कर दी गई है। इनमें सर्व क्षमा योजना का लाभ लेने वाले वाहन मालिकों को छोड़ दिया गया है। यह कार्रवाई ऐसे वाहन मालिकों पर की जा रही है, जिन्होंने लंबे समय से टैक्स जमा नहीं किया है। परिवहन विभाग के इस फैसले के बाद वाहन मालिकों में हड़कंप है। उनकी गाड़ियों पर रजिस्ट्रेशन रद्द होने का खतरा मंडराने लगा है। भागलपुर और पूर्णिया परिवहन कार्यालय में टैक्स डिफॉल्टर गाड़ियों की संख्या को चिह्नित करने के बाद नीलाम पत्र वाद करने की प्रकिया शुरू कर दी गई है। पूर्णिया के डीटीओ शंकर शरण ओमी ने बताया कि 33 हजार से अधिक टैक्स डिफॉल्टर गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ऐसे गाड़ियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ नीलाम पत्र वाद की प्रकिया शुरू कर दी गई है।

टैक्स बकाया में पूर्णिया अव्वल

टैक्स बकाया में 13 जिलों में पूर्णिया अव्वल है। पटना, मुजफ्फरपुर के बाद सबसे अधिक बकाया पूर्णिया और भागलपुर में है। पूर्णिया में 33 हजार 740, भागलपुर में 22 हजार 143, बेगूसराय में 20 हजार 950, मधेपुरा में सात हजार 835, सहरसा में 10 हजार 965, सुपौल में छह हजार 454, अररिया में सात हजार 585, कटिहार में नौ हजार 711, किशनगंज में पांच हजार 744, बांका में चार हजार 966, लखीसराय में तीन हजार 974, मुंगेर में 12 हजार 210 और जमुई में पांच हजार 356 गाड़ी मालिकों पर टैक्स बकाया है।

क्या कहते हैं अधिकारी

एसएन मिश्र, एमवीआई, भागलपुर ने कहा कि टैक्स डिफॉल्टर वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नीलाम पत्र वाद की प्रकिया चल रही है। सर्व क्षमा योजना के बाद बची गाड़ियों की स्क्रीनिंग पूरी कर ली गई है।

ये होते हैं टैक्स डिफॉल्टर : व्यावसायिक गाड़ियों के संचालक को तीन माह में टैक्स जमा करना होता है। गाड़ी मालिक सुविधा अनुसार कई माह का एक साथ भी टैक्स जमा करते हैं। ऐसे वाहन मालिक जो टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं, पहले उन्हें नोटिस और फोन के माध्यम से सूचना दी जाती है।

परसा थाना परिसर में दरी की रस्सी बनाकर लगाई फांसी

माता-पिता सुधार के लिए लाए थाने, खिड़की से लटककर दी जान, पहले भी जा चुका था जेल

छपरा, एजेंसी। सारण में मंगलवार को एक 19 वर्षीय युवक ने थाना परिसर के वेटिंग रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस सनसनीखेज घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। यह घटना छपरा के परसा थाना परिसर में हुई है। मृत युवक की पहचान फतेहपुर निवासी पिंटू कुमार सिंह के छोटे बेटे शुभम कुमार (19) के रूप में की गई है। शुभम के माता-पिता उसे सुधार के उद्देश्य से थाने लेकर आए थे, लेकिन कुछ ही घंटों में उसने सुसाइड कर लिया।

बेटा सुधर जाए, इसलिए लाया थाने : मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे शुभम के पिता पिंटू कुमार सिंह और माता गायत्री देवी उसे परसा थाना लाए। उन्होंने पुलिस को बताया कि बेटा गलत संगत में पड़ गया है और आए दिन घर में गाली-गलौज, मारपीट करता है। माता-पिता चाहते थे कि पुलिस उसे कुछ समय थाने में रखे, ताकि वह डर कर सुधर जाए।

परसा थाना परिसर में किया सुसाइड : पुलिस ने पहले युवक को वेटिंग रूम में बैठा दिया। उस समय शुभम अपने माता-पिता से गिड़गिड़ा कर कह रहा था कि वे उसे घर ले जाएं, लेकिन माता-पिता उसे वहीं छोड़कर चले गए। थाना के प्रतीक्षा कक्ष में कुछ ही देर बाद युवक ने वहां रखी दरी की कोर को फाड़कर रस्सी का रूप दिया। फिर उसने वेटिंग रूम में लगी खिड़की की

घुंडी से बांधकर फांसी लगा ली। जब तक पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, शुभम दम तोड़ चुका था। उसे तुरंत फंदे से नीचे उतारा गया और परसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

15 दिन पहले ही जेल से छूटा था शुभम : मृतक के पिता पिंटू सिंह ने बताया कि शुभम हाल ही में 15 दिन पहले ही जेल से छूटकर आया था। जेल से लौटने के बाद वह अपने मित्रों के साथ दिन भर इधर-उधर घूमता रहता था। कई बार असामाजिक गतिविधियों में भी शामिल हो जाता था। घरवाले उसकी इन हरकतों से बेहद परेशान थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक शुभम कुमार पर अलग-अलग थानों में दो प्राथमिकी दर्ज हैं। हालांकि, इन मामलों की विस्तृत जानकारी फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है।

अफवाह न फैलाने की अपील, जांच जारी : घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष सुनील कुमार अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मामले की सूचना सोनपुर डीएसपी प्रीतिश कुमार को दी। डीएसपी ने तत्परता दिखाते हुए स्वयं अस्पताल पहुंचकर मृतक के परिजनों से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने मीडिया को बताया कि युवक कोमाता-पिता खुद लेकर थाना आए थे और उसे पुलिस को सौंपा गया था। डीएसपी प्रीतिश कुमार ने कहा कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

वेटिंग रूम में दरी से रस्सी बनाकर फांसी लगाना एक अलग तरह का मामला है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट पुष्टि हो पाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने जनता से अफवाह न फैलाने की अपील की है। फिलहाल, पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पथों की सफाई करने वाले एजेंसी पर नगर आयुक्त ने लगाया जुर्माना

गया, एजेंसी। शहर की साफ-सफाई और नाले की सफाई का जायजा नगर आयुक्त ने लिया। इस दौरान गेवल बीघा मोड़ से चांदचौरा, विष्णुपद मंदिर, बंगाली आश्रम होते हुए गोदावरी रोड स्थित मां मंगला गौरी मंदिर रोड तक पैदल भ्रमण किया। वार्ड 36, 39, 41, 42 व 34 की प्रमुख सड़कों का निरक्षण किया। एजेंसी द्वारा मार्च से कार्य संपादित किया जा रहा है जिसे नगर आयुक्त ने संतोषजनक नहीं पाया। 25 से 35 प्रतिशत तक विपत्र में की कटौती निरक्षण के दौरान कई जगह गंदगी मिली। नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने 21 स्थानों पर जाकर जहां कचरा गिरा हुआ था उसे ऐप पर अपलोड किया। साथ ही एजेंसी को कड़ी चेतावनी दी कि अगर कार्य प्रणाली में दो से तीन दिन में सुधार नहीं आता है तो इकरारनामा रद्द करते हुए कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल के लिए पेनल्टी एजेंसी पर लगाई जा रही है। एजेंसी के समर्पित मैनुअल स्वीपिंग के विपत्र में पहले 15 दिन का 100 प्रतिशत व माह के अंतिम 15 दिनों के विपत्र में 35 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगाते हुए कटौती की गई। साथ में मैकेनिकल स्वीपिंग के विपत्र में 25 प्रतिशत राशि की कटौती की गई। एजेंसी द्वारा सभी मैकेनिकल स्वीपिंग की गाड़ियों में दो जीपीएस सिस्टम लगाए गए हैं, जिसमें एक निगम द्वारा लगाया गया है और एक एजेंसी द्वारा। दोनों के तुलनात्मक विवरणी के बाद ही भुगतान की प्रक्रिया की जाती है। एजेंसी ने आश्वस्त किया कि कार्य प्रणाली में सुधार लाया जाएगा। मई से सुधार लागू कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एमएस कॉलेज में शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ की हुई बैठक

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में शिक्षकेत्तर कर्मचारी इकाई संघ की बैठक बुधवार को संपन्न हुई। उक्त बैठक की अध्यक्षता मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्रधान सहायक सुनील कुमार ने की। बैठक में सत्र 2025-26 के लिए शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के कार्यकारिणी सदस्यों की निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। ओमप्रकाश राय को अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। सचिव पद के लिए हर्षवर्धन कुमार को निर्विरोध चुना गया। रामप्रवेश सिंह को उपाध्यक्ष, रमेश कुमार श्रीवास्तव को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई। सुनील कुमार और रामश्रेष्ठ राम को कोषाध्यक्ष के लिए चुना गया। संरक्षक के रूप में प्रमोद कुमार संघ की जिम्मेदारी दी गई। अन्य कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजेश कुमार सिंह, बिंदेश्वरी राउत, गुलाब रसूल, प्रेम राम, मो. इकराम खान, मो. आसिफ खान, कौशल किशोर सिंह, रामबिलास सिंह का चयन किया गया। निर्वाचन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

लू लगने से युवक की मौत, परिजनों ने पोस्टमार्टम से किया इनकार

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के अहिरगवा गांव में गुरुवार को एक युवक का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बरामस्वा निवासी जगदीश शंकर प्रसाद राय के पुत्र जयप्रकाश कुमार राय उर्फ मिठू राय के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घटनास्थल के पास एक साइकिल भी पड़ी मिली, जिससे अंदेशा लगाया गया कि युवक पैदल या साइकिल से आया था। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि जयप्रकाश बिना कुछ बताए घर से निकल गया था। देर शाम सूचना मिली कि अहिरगवा में एक युवक का शव पड़ा है। प्राथमिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई कि युवक की मौत लू लगने से हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू की, लेकिन परिजनों ने लिखित आवेदन देकर पोस्टमार्टम न कराने की मांग की। परिजनों की सहमति के बाद पुलिस ने शव उन्हें सौंप दिया। मौके पर थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के साथ अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, अविनाश कुमार, उगम पासवान, राजीव रंजन कुमार एवं शस्त्रबल की टीम मौजूद रही।

राजस्व कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल से कार्य प्रभावित

बीएनएम। केसरिया। बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण केसरिया अंचल का राजस्व संबंधित कार्य प्रभावित है। जिसके कारण राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों के लिए अंचल कार्यालय आने वाले लोगों को बेरंग वापस लौटना पड़ा रहा है। खासकर दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जाति/आवासीय प्रमाणपत्र आदि का कार्य पूर्णतः बाधित है। अंचल में तैनात राजस्व कर्मचारी दीपक कुमार, तौकीर आलम, प्रिंस कुमार, रमण कुमार, नीतीश कुमार, धीरज कुमार व संजय कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि गृह जिला में पोस्टिंग करने, समय-समय पर पद्दोन्नति करने, ग्रेड पे 19 सौ की जगह 28 सौ करने सहित 17 सूत्री मांग को लेकर सात मई से संघ का राज्यव्यापी हड़ताल जारी है। जिसके समर्थन में केसरिया अंचल में तैनात राजस्व कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर हैं। इधर, अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा ने बताया कि कर्मचारियों के हड़ताल के कारण डोंगल सिस्टम से होने वाला कार्य प्रभावित है। अंचल में तैनात तीन पुराने राजस्व कर्मचारियों को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है ताकि आपदा का कार्य किया जा सकें।

राधे-कृष्ण मठ ताजपुर पटखौलिया में पाँच दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ शुरू

कलश यात्रा में शामिल हुई 1001 कन्याएं

बीएनएम। केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया स्थित राधे-कृष्ण मठ परिसर में गुरुवार से पाँच दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ की शुरुआत की गई। प्रथम दिन कलश यात्रा के साथ इस महायज्ञ का भव्य शुभारंभ किया गया। मठ परिसर से गाजा-बाजा, घोड़ा, दर्जनों वाहनों के काफिया के साथ निकली कलश यात्रा ताजपुर पटखौलिया, रामपुर, सुन्दरापुर होते हुए सतरघाट स्थित गंडक नदी पहुँची। जहाँ यज्ञाचार्य पंडित रामप्रकाश मिश्र गर्ग व अन्य विद्वान पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना की गई। जिसके बाद महायज्ञ के मुख्य यजमान भारत उत्थान संघ के चेयरमैन सह मुंबई उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता ताजपुर पटखौलिया निवासी राकेश कुमार सिंह व उनकी पत्नी साधना सिंह ने नदी से जल भर यज्ञस्थल के लिए प्रस्थान किये। मुख्य यजमान के साथ कलशयात्रा में 1001 कन्याओं ने भाग लिया। महायज्ञ के दूसरे व तीसरे दिन क्रमशः शुक्रवार व शनिवार को पूजा की जाएगी। मुख्य यजमान श्री सिंह ने बताया कि महायज्ञ के अंतिम दिन 19 मई को मठ में राधे-कृष्ण की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह प्रतिमा जयपुर से मंगाई।गई है। यह विशेष प्रकार के पत्थर से निर्मित है। जिसकी स्थापना से मठ की शोभा और बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि इस यज्ञ के माध्यम से गाँव, समाज व देश की उन्नति व समृद्धि की कामना की जा रही है। इस आयोजन में समाज के हर वर्ग का भरपूर सहयोग प्राप्त है। कलश यात्रा में मठ के महंत अविनाशी दास जी महाराज, पप्पू सिंह, विकास कुमार सिंह उर्फ निप्पू सिंह, पूर्व मुखिया रिंकू कुमारी, पीताम्बर राम, संजय कुमार यादव, रामबहादुर राय, मंजय पासवान, कुन्नू सिंह, मणिभूषण ठाकुर, मिठू सिंह, मंटू सिंह, छोटू सिंह, किशन सिंह, विनोद राय सहित भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

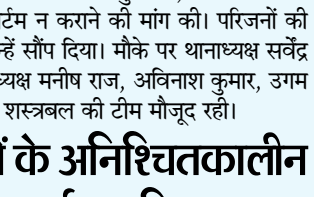

डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने शिक्षा, न्याय, संवाद कार्यक्रम का आयोजन कर रखी मांग

शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में छात्र और युवाओं ने सरकार के नीतियों पर खुब उठाया सवाल

बीएनएम। मोतिहारी/अरेराज

जिले के अरेराज स्थित एक निजी होटल में 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गप्पु राय की अध्यक्षता में किया गया। उक्त कार्यक्रम में शिक्षा में न्याय, आरक्षण, दलित-पिछड़े-अतिवंचित वर्गों के अधिकार और युवाओं के भविष्य को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि अखिलेश प्रसाद सिंह, राज्यसभा सांसद ने कहा कि "शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। जब तक दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को उनका पूरा हक नहीं मिलेगा, तब तक सामाजिक न्याय अधूरा रहेगा।" उक्त कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित प्रमुख बिंदु सामने आए जिसमें कहा कि राहुल गांधी को शिक्षा 'न्याय संवाद' की अनुमति नहीं मिलने पर नाराज़गी, 50% आरक्षण की सीमा को तोड़ने और जातिगत जनगणना के आधार पर अधिकार दिलाने की मांग, निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू करने की मांग, बिहार में पलायन, पेपर लीक और शिक्षा में गिरावट को लेकर चिंता, 50% आरक्षण की सीमा हटाने की मांग, संविधान के अनुच्छेद 15(5) के तहत निजी संस्थानों में आरक्षण लागू हो, निजी क्षेत्र में ओबीसी, एससी, एसटी की भागीदारी बढ़ाने की मांग, एससी-एसटी सब-प्लान लागू करने की मांग, शिक्षा और स्वास्थ्य में 15% हिस्सेदारी सुनिश्चित हो, एससी-एसटी युवाओं के लिए रोजगार योजनाओं में 100% फंड खर्च हो, शिक्षा के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, स्कूलों में इंटरनेट और शिक्षकों की भारी कमी दूर की जाए। विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के 50% से अधिक पद खाली, कर्ज़ माफ़ी और डिग्री समय पर देने की मांग, छात्रों पर चल रही कर्ज़ वसूली की कार्यवाही रोकी जाए, स्नातक डिग्रियां समय पर पूरी हों, युवाओं का पलायन रुके आदि पर विस्तृत से चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में मधुरेन्द्र सिंह, प्रभारी ओमप्रकाश कुशवाहा, कार्यक्रम प्रभारी मदनमोहन तिवारी, पूर्व विधायक बरकत खां, प्रदेश सचिव, किरण कुशवाहा, जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, बिट्टू यादव, जिलाध्यक्ष युवा, पप्पू रंजन मिश्रा, शैलेन्द्र सिंह, विजयशंकर पाण्डेय, ब्रजेन्द्र तिवारी, अनिल सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता और छात्र नवजवान उपस्थित रहें।

सीकरीया फार्मेसी कॉलेज में ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेंटर का उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

बढ़ती बेरोजगारी की समस्या को ध्यान में रखते हुए सीकरीया फार्मेसी कॉलेज ने अपने परिसर में पहली बार ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेंटर की शुरुआत की है। इस सेंटर का उद्घाटन नगर निगम के उपमहापौर डॉ. लालबाबू प्रसाद ने किया। उद्घाटन समारोह में कॉलेज की सचिव यमुना सीकरीया ने उपमहापौर को अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया, जबकि प्रचार्या प्रीति दूबे ने स्मृति चिन्ह के रूप में एक पौधा प्रदान किया। इस अवसर पर उपमहापौर ने कहा कि अब छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी यहीं मिलेंगे। उन्होंने कॉलेज प्रशासन को इस सराहनीय पहल के लिए बधाई दी और शहर के विकास की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कॉलेज की सचिव यमुना सीकरीया ने जानकारी दी कि डी. फार्मा और बी. फार्मा के छात्र इस सेंटर में अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फार्मा कंपनियों से बातचीत हो चुकी है, जो जल्द ही यहां आकर प्लेसमेंट के माध्यम से छात्रों को नौकरियाँ प्रदान करेंगी। उन्होंने बताया कि अब छात्रों को रोजगार की तलाश में बाहर भटकना नहीं पड़ेगा। प्लेसमेंट के लिए जिन कंपनियों से सहमति बनी है उनमें बायोनेक्सी फार्मा (भद्दी, हिमाचल), एवरेस्ट पेरेंट्रल्स (नेपाल), मैग्नस फार्मास्युटिकल्स (नेपाल), और एवरेस्ट हेल्थ केयर (मथुरा) शामिल हैं। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक, छात्र एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। पूरे कॉलेज परिसर में उत्साह का माहौल था।

मोतिहारी सदर के ड्रग इंस्पेक्टर बने राकेश

ड्रग इंस्पेक्टर शिरोमणि को सेवानिवृत होने पर दी गई भावभीनी विदाई

बीएनएम। मोतिहारी

जिला में मोतिहारी सदर क्षेत्र के नए ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में राकेश कुमार की पदस्थापना हुई है। निवर्तमान ड्रग इंस्पेक्टर सदर विकाश शिरोमणि के सेवानिवृत होने के पश्चात खाली पड़े पद पर नए डीआई को पदस्थापित किया गया है। विकास शिरोमणि के सेवानिवृत होने पर पूर्वी चंपारण जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा एक आवासीय होटल में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें बिहार केमिस्ट ड्रगिस्ट के महा सचिव प्रभाकर कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में दवा व्यवसाईयों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि ड्रग इंस्पेक्टर विकास शिरोमणि पूरे बिहार के ड्रग इंस्पेक्टर में वरीय ड्रग इंस्पेक्टर रहे हैं ।मोतिहारी में उनका 3 साल का कार्यकाल काफी सराहनीय रहा । जिला केमिस्ट व ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशफाक करीम ने अपने समस्त दवा व्यवसाईयों की ओर से उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके बेहतर स्वस्थ्य जीवन की कामना की। इस दौरान महासचिव सिंह ने कहा कि फार्मासिस्ट के रजिस्ट्रेशन एवं रिनिवल से संबंधित कोई भी समस्या अगर आती है तो जिला संगठन से संपर्क किया जाये। जिला संगठन राज्य स्तरीय संगठन से सहयोग प्राप्त कर समस्या का समाधान करेगा । उन्होंने कहा कि पूर्व में कोलकाता या अन्य राज्यों से बने फार्मासिस्ट संबंधी कागजात अवैध माने जा रहे हैं। मौके पर जिला संगठन के उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह , विकास कुमार , श्रीनिवास मिश्रा , ओमप्रकाश गुप्ता , मनमोहन कुमार , अजय कुमार , मृत्युंजय कुमार , आलोक कुमार सहित बड़ी संख्या में दवा व्यवसायी उपस्थित रहे।

डॉ. एसकेएस महिला महाविद्यालय में छात्राओं की हुई विदाई समारोह

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में सत्र 2022-25 के छात्राओं की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सालों से बंद पड़ी इस प्रथा का पुनः महाविद्यालय के वर्तमान छात्राओं के द्वारा शुभारम्भ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार ने सत्र के अंतिम चरण में पहुँच चुकी सभी छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्राओं के लिए यह भी कहा कि आप सभी छात्राएं अपने-अपने सपनों को साकार करने का हर अंतिम प्रयास करें तथा जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें। महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या प्रो. (डॉ.) किरण कुमारी ने भी छात्राओं को शुभकामनाएं व बधाईयां दी। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू ने कहा की महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा पुनः विदाई समारोह जैसे कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रशंसनीय कार्य है। कही कि आगामी सत्र की छात्राएं भी इस प्रथा को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगी तथा छात्राएं कॉलेज से बाहर निकल कर अपने जीवन के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो एवं अपने करियर से संबंधित जो उनके सपने हैं उसे पूरा करें। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी रौशनी विश्वकर्मा ने भी छात्राओं के इस प्रयास के लिए उन्हें बधाई दी तथा सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। राजनीतिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव ने भी छात्राओं को कॉलेज की जिंदगी से बाहर जाकर अपने असल जीवन में भी अच्छा प्रदर्शन करने की कामना की तथा उनके भावी भविष्य की मंगल कामना की। इस कार्यक्रम में मौजूद सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं ने छात्राओं के इस कार्यक्रम की भरपूर प्रशंसा की तथा सभी छात्राओं के भावी जीवन उज्जवल होने की कामना की। छात्राओं द्वारा संगीत, नृत्य तथा नाटक का भी बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जूनियर बैच की छात्राओं द्वारा अपने सीनियर बैच की छात्राओं से मनोविज्ञान विभाग की कुमारी जूही को मिस फेयरवेल चुना गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं में डॉ. किरण कुमारी, डॉ. नीतू, डॉ. इरशाद आलम, डॉ. रौशिनी विश्वकर्मा, डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव, डॉ. ज्योति कुमारी, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. अंजलि कुमारी, शिवांगी सिंह, बिपिन दुबे इत्यादि मौजूद रहे। वहीं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में लवली सिंह, सोनी कुमारी, अमित, अमन, निहाल, अरविंद, प्रकाश कुमार, ज्ञान प्रकाश उपस्थित रहे। छात्राओं की ओर से कुमारी जूही, मुस्कान कुमारी, कृतिका कुमारी, सानिया समृद्धि, हबीबा, गौरी गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

आग की चपेट में आने से तीन मासूम बच्चियों की मौत

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के दरपा थाना क्षेत्र के नरकटिया बाजार के समीप गुरुवार दोपहर खाना बनाने के दौरान एक घर में आग लगने से 3 मासुम बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई।जबकि एक बच्चा गंभीर रूप झुलस गया। जिसका इलाज नर्सिंग होम में चल रहा है। मृतक बच्चियां मठिया निवासी रामबाबू साह की बेटी मुस्कान कुमारी (6), पायल कुमारी (5), संतोषी कुमारी (2) है।जबकि घायल बच्चे की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक मिली मृतक सभी बच्चियां 5 दिन पूर्व अपने मां ममता कुमारी के साथ अपने नाना राजेश साह के घर आये थे। दोपहर में करीब 12 बजे घर में खाना बनाने के दौरान चिंगारी से झोपड़ी में लगी आग तेज हवा के झोके से बेकाबू होकर पूरे घर को अपनी आगोश में ले लिया।इस दौरान घर में मौजूद मृतक तीनों बच्चियां घर में फंस गई। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।लेकिन तब तक तीनो मासूम बच्चो की मौत हो चुकी थी। मृतक बच्चियों की नानी मंजु देवी ने बताया बेटी गर्भवती थी और कुछ दिन पहले यहां आई थी।

सभी बच्चे घर में खेल रहे थे तभी चूल्हे की चिंगारी से घर में आग लग गई। आग लगने के बाद मासूम सभी बच्चे बचने के लिए बेड के नीचे छिप गए।हालांकि तीनो की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस और अंचलअधिकारी रिषव सिंह यादव ने तीनों मृत बच्चियों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।स्थानीय जन प्रतिनिधियो व ग्रामीणो ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और सहायता देने की मांग की है।

गहरी जुताई से मिलेगा गुणवत्ता युक्त उत्पादनः डॉ. अंशु गंगवार

बीएनएम। मोतिहारी

रबी की फसलों की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई खरीफ फसल की उत्पादकता बढाने के लिए काफी लाभदायक होती है। कृषि विज्ञान केन्द्र परसौनी के कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञ डॉ. अंशु गंगवार ने बताया कि किसान भाई ग्रीष्मकालीन जुताई मई और जून के महीने में मानसून आने के पूर्व हर हाल मे कर लेने चाहिए। गर्मियों में 9 से 12 इंच गहरी जुताई करना फायदेमंद है, क्योंकि इस समय जुताई से मिट्टी में सुधार के साथ मिट्टी में पानी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। साथ ही खेत की कठोर परत टूट कर मिट्टी मे अगामी लगने पौधो की जड़ों तक पोषक तत्व पहुंचाने वाली क्षमता विकसित होता है। डा.गंगवार ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से खेत में उगे खरपतवार और काटे गये फसलो के अवशेष मिट्टी में दबकर सड़ जाते हैं, जिससे मिट्टी में जीवांश की मात्रा बढ़ती है। इस समय जुताई करने से मिट्टी में छिपे हानिकारक कीड़े-मकोड़े, उनके अंडे और लार्वा गहरी जुताई के बाद उपरी सतह पर आ जाते है, जो सूर्य की तेज प्रकाश संपर्क में आने से नष्ट हो जाते हैं। इस प्रकार मिट्टी में पाए जाने वाले हानिकारक जीवाणु, कवक आदि मर जाते हैं। जिससे फसलें बीमारी से मुक्त होती हैं। गहरी जुताई से मिट्टी में वायु का संचार बढ़ता है, जो मिट्टी के लिए लाभकारी सूक्ष्म जीवों की बढ़ोत्तरी करने में सहायक होते हैं। गहरी जुताई से फसलों में कीटों और रोगों का प्रकोप कम हो कर फसल उत्पादन बढ़ाने मे सहायक होते है। डॉ. गंगवार ने गहरी जुताई करने के लिए मोल्डबोर्ड हल, डिस्क हल, कल्टीवेटर जैसे कृषि यंत्रों को प्रयोग में लाने की सलाह देते कहा यदि ढलान पूरब से पश्चिम की ओर हो तो जुताई उत्तर से दक्षिण की ओर करनी चाहिए। यदि भूमि की ढाल और ऊंची-नीची है तो इस प्रकार जोतना चाहिए कि मिट्टी का बहाव न हो अर्थात ढाल के विपरीत दिशा में जुताई करना चाहिए।

नियमित टीकाकरण क़ो लेकर बीएलटीएफ की बैठक का हुआ आयोजन

2 वर्ष के भीतर के सभी बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण करवाना बेहद जरूरीः डॉ. मनोज तुमराडा

बीएनएम। मोतिहारी

सीएचसी संग्रामपुर में नियमित टीकाकरण, एचआईएमएस पोर्टल पर डाटा समय पर लोड करने क़ो लेकर बीएलटीएफ का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंदन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में जिले के डब्ल्यूएचओ एसएमओ डॉ. मनोज तुमराडा ने बताया कि सभी बच्चों का 02 वर्ष के भीतर सम्पूर्ण टीकाकरण करवाना आवश्यक है। इससे बच्चे में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। वहीं इससे कई प्रकार की बीमारियों से सुरक्षा होती है। उन्होंने बताया की इसमें एमआर प्रथम और द्वितीय खुराक के लिए ड्यू लिस्ट में विशेष प्रावधान किया गया है। इसके लिए आवश्यक है कि माइक्रोप्लान में सभी गाँव, मुहल्ले का उल्लेख होने के साथ-साथ लाभार्थी की आसान पहुंच के लिए सेशन साईट होना चाहिए। इन सभी सत्रों, उपकेन्द्र, ब्लॉक का मैपिंग आवश्यक है। बैठक में उपस्थित सीडीपीओ पुनम कुमारी ने टीकाकरण से संबंधित किसी भी तरह की समस्या होने पर जानकाaरी शेयर करने का आग्रह किया। वहीं डब्ल्यूएचओ मॉनिटर नरोत्तम कुमार ने बताया कि फार्म वन और एचआईएमएस प्रतिवेदन सही तरीके से भरा जाना आवश्यक है। तभी जिले की डाटा में सुधार हो सकता है। प्रभारी डॉ. चंदन कुमार ने सभी एएनएम को निर्देश किया कि टीकाकरण के बाद संधारण तत्काल करें। सर्वे ड्यू का शत-प्रतिशत अपडेशन हर सेशन के पहले करें। संग्रामपुर को आदर्श बनाने में सहयोग करें। सभी का सहयोग आवश्यक है। नियमित टीकाकरण बच्चे के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह उसे गंभीर बीमारियों से बचाता है, जिससे वह स्वस्थ और सुरक्षित जीवन जी सके। उन्होंने बताया की टीकाकरण से बच्चों को पोलियो, खसरा, डिप्थीरिया, टेटनस, हेपेटाइटिस बी और कई अन्य खतरनाक बीमारियों से बचाया जा सकता है। उक्त बैठक में कार्यालय प्रधान गुड्डू सिंह, बीसीएम रवि मंडल, रविभूषण सिंह, युनिसेफ के पंकज कुमार, सीएचओ, एएनएम तथा सभी फैसिलीटेटर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

समाज और राष्ट्रीय विकास में परिवार की है बहुआयामी भूमिका

बीएनएम। जमुई। अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर राजकीय महिला डिग्री कॉलेज जमुई में "सामाज और राष्ट्र के विकास में परिवार की भूमिका"विषय पर एक परिचर्चा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राजनीतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रो डॉ. देवेंद्र कुमार गोयल ने की। मुख्य वक्ता के बतौर बोलते हुए राजकीय महिला डिग्री कॉलेज जमुई के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि परिवार आर्थिक विकास की प्राथमिक इकाई है, जो मानवीय पूंजी निर्माण की नींव रखता है। यह राष्ट्र निर्माण का आधार स्तंभ और सतत विकास की जड़ है। किसी भी देश की उन्नति की शुरुआत परिवार से ही होती है। यदि परिवार आर्थिक रूप से सशक्त, शिक्षित और संगठित है, तो राष्ट्र का उत्पादन क्षमता और सामाजिक सुरक्षा स्वतः मजबूत होती है। परिवार ही उपभोग का पहला केंद्र है। यह श्रम शक्ति का निर्माण करता है। मांग उत्पन्न करता है. बचत और निवेश को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि परिवार एक ऐसा बीज है जिससे समाज और राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि का वृक्ष विकसित होता है और रिश्तो का संगम है। यह आर्थिक विकास का मूल स्रोत है. भारतीय समाज में परिवार की बहुआयामी भूमिका है। परिवार महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि सब कुछ है. कहते हैं कि संस्कारों की खान है घर का हर एक द्वार,मजबूत बनेगा देश जब मजबूत हो परिवार। उन्होंने कहा कि परिवार समाज व्यवस्था का रीढ है। सतत विकास के लिए परिवार बुनियादी, प्रभावशाली और आवश्यक इकाई है। क्योंकि परिवार ही वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भावी पीढ़ियों के लिए संसाधन और संभावनाओं को सुरक्षित रख सकता है।अध्यक्षीय प्रबोधन में डॉ. देवेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि भारत वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा का जनक है। हमारे लिए संपूर्ण पृथ्वी पर रहने वाले लोग ही अपना परिवार हैं। 16वीं शताब्दी में औद्योगिकरण और उपनिवेशवाद के जन्म के बाद वसुदेव कुटुंबकम की भावना का ह्रास हुआ है। आज पुनः वसुधैवकुटुंबकम की संस्कृति को अपनाने की आवश्यकता है। क्योंकि सबके साथ में हीं सबका विकास निहित है। सभी सफल असफल कार्यों की जड़ परिवार ही है |गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.उदय नारायण घोष ने कहा कि परिवार का संवाद सबसे बड़ी दवा है. परिवार में खुलकर बातचीत होनी चाहिए, जिससे गलतफहमियां नहीं हो, लेकिन संवाद का पुल उन्हें जोड़ भी सकता है।अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष डॉ. सफे दानिश ने कहा कि परिवार मानव समाज का एक जीवंत संस्था है। परिवार सामाजिक, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार के बिना समाज और राष्ट्र का विकास अधूरा है।

हत्यारिन पुत्री पुलिस गिरफ्त में

बीएनएम। जमुई/ झाझा। बीते दस अप्रैल को ढिबा गांव में घर के बाहर में सुगनी देवी की हत्या कांड का पर्दाफाश पुलिस ने कर लिया और पुलिस ने हत्याकांड मामले में उसकी बेटी को गिरफ्तार कर लिया है। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि सुगनी देवी हत्याकांड का बारीकी से जांच किए जाने पर घटना को अंजाम देने में उसकी पुत्री रमणी देवी की संलिप्तता सामने आई। जिसके बाद उसे ढिबा गांव से गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने आगे बताया कि हत्या का वजह जमीन बेचने को लेकर घर मे चल रहा था। जिसपर उसकी पुत्री रमणी देवी ने अपनी मां की हत्या कर दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतिका के पुत्री के दिए गए ब्यान के हर एक बिंदुओ पर पुलिस ने बारीकी से जांच करते हुए अपने स्तर भी काफी छानबीन की तो हत्याकांड का पूरा मामला सामने आ गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि कागजी कार्रवाई करने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार महिला को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया।

बाइक की चोरी

बीएनएम। जमुई/ झाझा। घर के सामने लगी बाइक चोरी हो जाने का प्राथमिकी थाना में दर्ज की गई है। इस संदर्भ में बोड़वा की रहने वाली मीरा देवी ने दर्ज आवेदन में कहा है कि रात्रि में घर के सामने बाइक लगाने के बाद घर मे सोने के लिए चली गई जिसके बाद गुरुवार की सुबह उठकर देखा तो बाइक गायब था। काफी खोजबीन किए जाने के बाद भी बाइक का कुछ पता चल चल सकी।

शराब के साथ दो बाइक जब्त

बीएनएम। पश्चिमी चंपारण : बैरिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के डुमरिया के वार्ड नंबर 9 से गुरुवार को 405 पीस अंग्रेजी शराब के साथ दो बाइक को जब्त किया है। थानाध्यक्ष अंजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिला कि दियारा के रास्ते शराब के खेप आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दारोगा सर्वेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया,गठित टीम डुमरिया वार्ड नंबर 9 के समीप पहुंची और घेराबंदी की। जहां पुलिस की भनक लगते ही धंधेबाज बाइक व शराब छोड़ फरार हो गए। पुलिस ने शराब व बाइक को जप्त कर थाने लाई पुलिस ने बताया कि 405 पीस अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। साथ ही एक ग्लैमर बाइक व एक अपाचि बाइक को जब्त कर लिया। पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

मारपीट में माँ ने दर्ज कराई प्राथमिकी

बीएनएम। जमुई/ झाझा। बेटा के साथ मारपीट व छिनतई की हुई घटना को लेकर मां ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संदर्भ में थानाक्षेत्र के करहरा गांव की रहने वाली चन्द्रवती देवी ने दर्ज आवेदन में बताई की मेरा बेटा अशोक दास गांव में छठियारी कार्यक्रम में गया था जहां गांव के दशरथ दास, प्रकाश दास, विकास दास, राकेश दास, नूनलाल दास, अनिता देवी मेरे पुत्र के साथ गाली गलौज करने लगा जिसका विरोध मेरा बेटा ने किया तो उक्त लोगों ने मेरे बेटा के साथ लाठी से मारपीट करते हुए घायल कर दिया और 5 हजार रुपए, चांदी का लॉकेट एवं एक मोबाइल छीन लिया। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस नामजद लोगों के खिलाफ कार्रवाई में जुट चुकी है।

तीन आरोपीत गिरफ्तार

बीएनएम। जमुई/झाझा। अलग अलग मामले में लंबे समय से फरार चल रहे तीन आरोपी के खिलाफ न्यायालय के द्वारा जारी किए वारंट के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि करहरा से महादेव यादव, गोंगाकुरा गांव से लखन यादव और ओंकार यादव को गिरफ्तार किया गया। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

दादी और पोते की डूबने से हुई मौत

बीएनएम। लखीसराय। जिले की पीरी बाजार थाना क्षेत्र के बेनीपुर कस्बा गाँव में दादी और पोते की डूबने से मौत हो गई है। बताया जाता है पीरी बाजार थाना क्षेत्र के बेनीपुर कस्बा ग्राम निवासी स्वर्गीय विषुणदेव तांती की 70 वर्षीया पत्नी रामबथी देवी तथा संजय कुमार गुप्ता के पुत्र सूरज कुमार की तालाब में डूबने से मौत हो गई है । इस सम्बन्ध में मृतक के परिजन संजय कुमार ने बताया कि पंद्रह वर्षीय उनका पुत्र जिसका मानसिक स्थिति कमजोर था । वह नहाने के लिए तलाब में गया था। अचानक गहरे पानी में चले जाने से वह डूबने लगा । यह देख उसकी दादी रामबती देवी अपने पोते को बचाने के लिए वह भी तालाब में उतर पड़ी लेकिन गहरे पानी में उतर जाने के कारण दोनों दादी पोते की डूबने से मौत हो गई है। जिसके बाद दोनों के शवों पोस्टमार्टम के लियर सदर अस्पताल भेज दिया। जहाँ पोस्टमार्टम कर शव को दाह संस्कार के लिये परिजनों को सौंप दिया।

बिजली चोरी के जुर्म में दस पर प्राथमिकी

बीएनएम। जमुई/झाझा। बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ विद्युत विभाग की ओर से ग्रामीण क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाते हुए अलग अलग गांव से दस लोगों को अवैध तरीके से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ने के बाद उनलोगों के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बोड़वा प्रशाखा के कनीय विद्युत अभियंता अमरजीत चंद्रा ने दर्ज आवेदन में बताया कि पैरगाहा गांव में छापेमारी के दौरान बुधो यादव, राजेंद्र यादव, लालू प्रसाद यादव, मुरारी देवी, कैलाश यादव, रेणु देवी, सरिता देवी तथा डुमरमोह गांव में बेचनी देवी, आबिद अंसारी, कपिल साह को अपने अपने घरों में बिजली चोरी करते पकड़ा। कनीय विद्युत अभियंता ने बताया कि 80086 रुपए का राजस्व क्षति पहुंचाया है।

घास फुस और टीना से निर्मित विद्यालय आंधी तूफान से ध्वस्त

» बच्चे पेड़ के नीचे पढ़ने के लिए हैं मजबूर

विद्यालय भवन निर्माण की दिशा में प्रशासनिक पहल अब तक नहीं

बीएनएम। योगापट्टी

खुले आसमान के निचे पढ़ते बच्चे

योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र की बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर तीन लखन महतो के टोला के महादलित बस्ती में 2013 मे निर्मित राजकीय प्राथमिक विद्यालय दुसाध टोला का टीना और बास से निर्मित छपर तीन रोज पहले आये हुए आंधी तूफान मे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिस कारण विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं खुले आसमान और पीपल के वृक्ष के नीचे पठन पाठन करने को मजबूर हैं। वहीं इस बात को लेकर ग्रामीणों एवं वार्ड सदस्य पति जितेंद्र प्रसाद ने प्रशासन का विरोध करते हुए जानकारी देते हुए बताया कि यह विद्यालय 2013 मे प्रारम्भ हुआ है । इसमें कक्षा पहली से पांचवी तक पठन पाठन कराया जाता है। लेकिन अभी तक शिक्षा प्रशासनिक विभाग का इस पर कोई ध्यान नहीं है जबकि विद्यालय के लिए भूमि भी मुहैया है । कागजात भी मौजूद है । वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक संदीप कुमार प्रसाद ने बताया कि इस विद्यालय पर शिक्षा एवं प्रशासनिक विभाग ने कभी भी गंभीरता से ध्यान दिया हीं नहीं है। हम सभी शिक्षक इस घास फुस और टीना से निर्मित विद्यालय मे बच्चों को पढ़ाने के लिए मजबूर है ।इस खुले आसमान के नीचे पढ़ाने मे कितनी कठिनाईओ का सामना करना पड़ता है इस तरह कितनी बार आंधी तूफान मे टीना निर्मित विद्यालय का छपरा ध्वस्त हो चूका है और बार बार ग्रामीणों के सहयोग से इसका सुधार करवाकर चलाया जा रहा है हमारे विद्यालय मे 61 छात्र एवं छात्राएं पड़ते है और पांच शिक्षक है वहीं उन्होने कहा कि हम लोग खुले आसमान और पीपल के वृक्ष के नीचे पढ़ाते है अगर किसी प्रकार की दुर्घटना होता है तो इसका जिम्मेदार बीआरसी और जिला प्रशासन होगा क्योंकि हमने बार बार इसकी सूचना प्रखंड कार्यालय एवं जिला प्रशासन को कर दी है। वहीं उन्होंने एसीएस पदाधिकारी से कहा की आप इस पर जल्द से जल्द जाँच करके भवन का कार्य निर्माण करावे | और विद्यालय के पाँचवी कक्षा के अभिशेख कुमार ने जिला प्रशासन से अपने विद्यालय की समस्याओ को रखते हुए भवन निर्माण के लिए आग्रह किया ।

कृषि समन्वयक से स्पष्टीकरण

बीएनएम। लखीसराय

जिले के बड़हिया प्रखंड अंतर्गत रविदास टोला, तहदिया लोहरा के कृषि समन्वयक श्रीकांत प्रसाद को डॉ. भीमराव अंबेडकर समय सेवा अभियान के तहत आयोजित विशेष शिविर में अनुपस्थित रहने पर कारण बताने के निर्देश दिए गए हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा 14 मई 2025 को जारी पत्र में कहा गया है कि यह शिविर आपके टोले में आयोजित था, जहां आपके उपस्थित रहने की अपेक्षा थी। शिविर में माननीय मंत्री, जिला पदाधिकारी, विकास मित्र, पंचायत पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों की उपस्थिति दर्ज की गई, लेकिन श्रीकांत प्रसाद अनुपस्थित रहे। जांच में यह पाया गया कि वे प्रतिदिन शेखपुरा से आवागमन करते हैं, और इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहना उनकी उदासीनता, लापरवाही और कार्य के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है।पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इस व्यवहार से उनकी स्वेच्छाचारी प्रवृत्ति और अनुसूचित जाति के प्रति असंवेदनशीलता परिलक्षित होती है। जिला पदाधिकारी ने उन्हें आदेश दिया है कि वे पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्टीकरण समर्पित करें, अन्यथा उनका वेतन अगली सूचना तक स्थगित रहेगा।

दिव्यांग संघ ने सौंपा आवेदन

बीएनएम। नौतन

नौतन प्रखंड मुख्यालय में बृहस्पतिवार के दिन प्रखंड मुख्यालय में दिव्यांग संघ ने प्रखंड में दिव्यांगों के बैठने के लिए स्थाई कार्यालय की मांग प्रखंड विकास पदाधिकारी से किया एवं आवेदन शौपा।वही दिव्यांग संघ के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र यादव एवं त्रिहुत प्रमंडल दिव्यांग संघ मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि हम सभी दिव्यांगों को प्रखंड मुख्यालय में आने पर बैठने का कहीं जगह नहीं मिलता है,हम लोग इधर-उधर भटकने पर मजबूर रहते हैं।इसलिए हम लोग प्रखंड मुख्यालय में दिव्यांगों को बैठने के लिए एक कार्यालय की प्रखंड विकास पदाधिकारी से मांग किया एवं आवेदन सौंपा।वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि दिव्यांग संघों ने कार्यालय की मांग को लेकर आवेदन सौप है,इस संदर्भ में उच्च अधिकारी से बात की जाएगी एवं लिखित दिया जाएगा। मौके पर वहिस अंसारी,मंसुर मियां,माधुरी देवी,रवि कुमार,रसीदा खातुन सहित दर्जनों दिव्यांग उपस्थित रहे।

अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर, कई मकान जमींदोज

बीएनएम। तुरकौलिया

अशर्फी साह टोला गांव में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक दर्जन लोगों के मकानों पर बुलडोजर चलवाया। यह कार्रवाई पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अंचल अधिकारी संतोष कुमार की देखरेख में की गई। गांव के ही प्रभुनाथ गिरी द्वारा अदालत में दायर याचिका के बाद न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। इसके तहत गांव के टुनटुन प्रसाद, राहुल प्रसाद, ओमप्रकाश प्रसाद, अमित कुमार, रामबहादुर गिरी, अरविंद गिरी, पप्पू गिरी, बृजमोहन गिरी, तपेश्वर साह, योगेंद्र साह, नागेंद्र साह, अरुण गिरी, रामेश्वरी गिरी और हरेंद्र गिरी को अतिक्रमणकारी बताया गया था। प्रशासन की ओर से पहले नोटिस देकर सरकारी जमीन खाली करने को कहा गया। कुछ लोगों ने स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लिया, जबकि बाकी ने अनदेखी की। परिणामस्वरूप अमित गिरी, पप्पू गिरी और राहुल प्रसाद के मकानों पर बुलडोजर चलाया गया। वहीं, अरुण गिरी और रामेश्वरी गिरी ने समय मांगने पर एक सप्ताह की मोहलत पाई। सीओ संतोष कुमार ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे खुद ही अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

रुचि कुमारी ने 12वीं में 93% अंक प्राप्त कर किया जिले का नाम रोशन

चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना है सपना

बीएनएम। मेहसी

नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत रामपुर शंकर गांव निवासी दीपक कुमार और प्रियंका कुमारी की पुत्री रुचि कुमारी ने शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए जिले का नाम रौशन किया है। रुचि ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीसीएस) द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा (वाणिज्य संकाय) में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने विद्यालय लेवाना पब्लिक स्कूल, चकिया में टॉप किया, बल्कि पूरे क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरी हैं। रुचि ने कुल 465 अंक प्राप्त कर यह सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, विद्यालय और पूरे गांव में खुशी की लहर है। उनका कहना है कि इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता, शिक्षकों और खुद की मेहनत का बड़ा योगदान है। रुचि का सपना एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) बनकर देश और समाज की सेवा करना है। वह आगे की पढ़ाई कॉमर्स के क्षेत्र में ही करना चाहती हैं और बड़े स्तर पर वित्तीय सुधार एवं सामाजिक न्याय की दिशा में काम करना चाहती हैं। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता पर लीचीपुरम उत्सव समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों सत्यदेव राय आर्य, सुधीर कुमार सिन्हा, सुदिष्ट नारायण ठाकुर, मुखिया संघ के अध्यक्ष राकेश पाठक, भूषण कुशवाहा, हामिद रज़ा, शंकर कुशवाहा, कृत नारायण कुशवाहा, मनोज कुमार, मोहम्मद कादिर, मनोज मेहसवी, शफी अहमद खान, डॉ. मनोज कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। सभी ने रुचि की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। गांव वासियों का मानना है कि रुचि जैसी होनहार बेटियां समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं।

सीमेंट उतारने के दौरान मजदूर की संदिग्ध स्थिति में मौत

डॉक्टर ने मृत किया घोषित

बीएनएम। जमुई/ झाझा

सोहजाना गांव के एक मजदूर सीमेंट उतारने के काम के दौरान संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतक की पहचान सोहजाना के रहने वाले राजेन्द्र यादव (उम्र 40) के रूप में हुई है। घटना नगर क्षेत्र के बाबुबांक मुहल्ले में हुई। जिसके बाद ट्रैक्टर चालक रजला गांव निवासी मनोज तुरी ने मृतक मजदूर की पत्नी को सूचना दी । जिसके बाद उसकी पत्नी व अन्य परिजन अस्पताल पहुंचा जहां पति के शव को देखकर पत्नी का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ था। बताया जाता है कि बाबुबांक में एक मकान के निर्माण कार्य के दौरान सीमेंट लदे ट्रैक्टर से राजेन्द्र सीमेंट उतारने के बाद पेशाब करने के लिए बैठा। जहां वह अचानक गिर गया ।जिसके बाद अन्य मजदूरों ने तुरन्त उसे उठाकर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया । जहां डॉक्टर सदाब ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वही डॉक्टर ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जाता है और पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही यह किलयर हो पायेगा की मजदूर की मौत किस वजह से हुई है। मृतक की पत्नी ने बताई की सुबह 7 बजे पति घर से काम के लिए निकले थे । मृतक की पत्नी भी लोगों के घरों में काम करती है। मृतक अपने पीछे दो छोटे छोटे बच्चे एवं पत्नी को छोड़ गया है। हालांकि कुछ लोग भीषण गर्मी में गश्त आ जाने से मौत की बात बताई ।वही समाचार प्रेषण तक मृतक के परिजनों की ओर से पुलिस को किसी भी प्रकार की सूचना नही दी गई थी ।

गोविंदगंज-सलेमपुर घाट पर पुल निर्माण की मांग, जदयू नेता साकेत सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम। पटना

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश सचिव और नरकटियागंज विधानसभा प्रभारी, साकेत सिंह ने आज जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, संजय झा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें गोविंदगंज-सलेमपुर घाट पर पुल के निर्माण की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया। साकेत सिंह ने बताया कि सलेमपुर घाट पर पुल न होने के कारण स्थानीय लोगों को वर्षों से आवागमन में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यह पुल क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापारिक गतिविधियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस परियोजना को प्राथमिकता देने और जल्द से जल्द इस पर कार्य शुरू करने का आग्रह किया। संजय झा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री से बात करेंगे और इस दिशा में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इस पुल के निर्माण से न केवल स्थानीय लोगों की दैनिक जीवनशैली में सुधार होगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

बिहार के बेतिया में एक ही परिवार की तीन बच्चियों की जलने से मौत

बीएनएम। पटना

बिहार के पश्चिम चम्पारण जिले के बेतिया में चूल्हे से निकली एक चिंगारी ने तीन सगी बहनों की जान ले ली, जबकि एक और बच्चे की झुलसने की बात कही जा रही है। घटना गुरूवार दोपहर की दरपा थाना क्षेत्र के नरकटिया पंचायत के वार्ड संख्या 12 की है। बताया जा रहा है कि खाना बनाने वक्त चूल्हें से उठी चिंगारी से झोपड़ी में आग लग गयी। देखते ही देखते आग ने भयंकर रूप ले लिया। कुछ ही पल में आग पूरे घर में फैल गयी और आग की चपेट में आने से तीन मासूम बहनों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में पश्चिम चंपारण के शिकारगंज स्थित शिकारपुर गांव निवासी रामबाबू साह की बेटी मुस्कान कुमारी (6 वर्ष) ,पायल (5 वर्ष) और संतोषी कुमारी (2 वर्ष) शामिल हैं। तीनों बच्चियां अपनी मां के साथ नानी के घर आईं थीं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आग में झुलसे बच्चे का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। इस घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक साथ तीन बच्चियों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

टोल-फ्री बरकरार

सुप्रीम कोर्ट ने अपने उस फैसले की समीक्षा से इनकार कर दिया, जिसमें दिल्ली-नोएडा-डायरेक्ट यानी डीएनडी फ्लाईओवर को दैनिक यात्रियों के लिए शुल्क मुक्त रखने का आदेश दिया गया था। पीठ ने दिसंबर 2024 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के डीएनडी फ्लाईओवर को टोल-फ्री करने के फैसले को भी बरकरार रखा। साथ ही नोएडा प्राधीकरण समेत उप्र व दिल्ली सरकारों की आलोचना करते हुए सत्ता के दुरुपयोग व जनता के विश्वास के उल्लंघन द्वारा इसकी अंतरआत्मा को ठेस पहुंचाने की बात भी की। नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड की अपील को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था, कंपनी ने परियोजना की लागत और पर्याप्त लाभ वसूल लिया है। जिससे उपयोगकर्ता शुल्क या टोल लगातार लगाने या वसूलने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। यह देश का पहला आठ लेन चौड़ा व तकरीबन नौ किलोमीटर लंबा एक्सेस-कंट्रोल एक्सप्रेस-वे है, जो दिल्ली के महारानी बाग व निजामुद्दीन इलाकों को नोएडा से सीधा जोड़ता है, जिससे यात्रा में लगने वाले समय में काफी कटौती होती है। 2001 में जब इसका उद्घाटन हुआ था तो पहले वाहनचालकों को यह टोल काफी ज्यादा लगता था। मगर समय व ईंधन की बचत के चलते यह नियमित यात्रियों के लिए बेहद सुविधाजनक बनता चला गया। प्राधिकरण व कंपनी की मिलीभगत के कारण लंबे अरसे तक टोल वसूली जारी रही। मामला जब अदालत में गया तो दोनों की तरफ से अलग-अलग दलीलें दी गईं। मगर उस वक्त ही सबसे बड़ी अदालत ने प्राधिकरण द्वारा कंपनी से रियायत समझौतों के माध्यम से किए गए अनुबंध को अनुचित, अन्यायपूर्ण व संवैधानिक मानदंडों के अनुरूप नहीं बताया था। अधिकारों का अतिक्रमण करते हुए प्राधिकरण ने शुल्क के निर्धारण, संग्रह व विनियोजन का नियंत्रण दिया था, उसे अदालत ने कानूनन अवैध ठहराया था। प्राधिकरण की मिलीभगत के चलते इस तरह का नुकसान केवल आम नागरिक ही नहीं भुगतता बल्कि राजस्व में भी नुकसान होता है।

दुनिया को समझना होगा भारत का 'न्यू नॉर्मल'

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा पर राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकस्तिान को स्पष्टतः चेताया कि अगर हमारे भारत की ओर आंख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन प्रधानमंत्री ने आदमपुर एयर बेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे—तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस आपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी। भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी—बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दयाभावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रंपच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू-इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि प्रधानमंत्री मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है। ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने ना केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरुद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा। पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है। यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम संपूर्ण विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किए, आतंक के ठिकाने ध्वस्त कएि और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला। पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन-मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया गया कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्ययोजना बनाई और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुनः सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है। यह केवल अस्त्र-शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है। अब भारत प्रतिक्रिया में नहीं चलता, कर्मण्यता पर विश्वास करता है और नई दिशा तय करता है। यह परिवर्तन केवल एक रणनीति नहीं है, ये मानसिकता का परिवर्तन है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने आदमपुर एयर बेस में कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। यही मानसिक परिवर्तन भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। और इस 'न्यू नॉर्मल' को अखिल विश्व जितनी जल्दी समझेगा, वो उसके और शेष दुनिया के लिए हितकारी, सुखप्रद और शांतिप्रद होगा।

सूडोकु नवताल- 7431

मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7430 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शांति और धैर्य से देश हमेशा आगे बढ़ेगा

संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है बहुत ही अच्छा संदेश राष्ट्र के नाम और कल होकर सैनिकों से मिलना भी भारत के शानदार सफलता का प्रतिक है इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान में फैले आतंकवादी के लिए किया और भारतीय सेनाओं की मेहनत और लोगो की एकजुटता थी इस सन्दर्भ में एल ओसी पर 50निर्दोष लोग भी मारे गए है पाकिस्तान को चाहिए था ऑपरेशन सिंदूर के बाद शांति से बैठना चाहिए क्योंकि ऐ आतंकवादी पर अटैक था पाकिस्तान पर नहीं लेकिन जबाबी कार्यवाही में उसे नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन यह खबर सही नहीं है कि उनके परमाणु सयंत्र पर क़ोई अटैक हुआ हो ऐ सब न्यूज़ में बेकार की खबरें हैं इसलिए इस मुद्दे पर कुछ भी कहना सही नहीं है क्योंकि जब भी दो देश परमाणु संपन्न रहते हैं तो वो एक से दूसरे देश पर प्रतिस्ठानो की सूची देते हैं और एक एग्रीमेंट होता है कि एक देश दूसरे देश पर परमाणु सयन्त्र पर हमला नहीं करेंगे सोशल मीडिया को इस खबर से बचना चाहिए इसको रोकना चाहिए मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए क्योंकि जो भी परमाणु सयंत्र होता है वो ऐसा बनाया जाता है कि उसमें भूकंप होने पर भी क़ोई असर ना हो और जहाँ तक रेडियोएक्टिव रिसाव की बात है वो तो हवा में जायेगा अतः ऐ बाद में आस पास के कहीं भी जगह फैल सकता है इसपर आई ए ई ए की कड़ी निगरानी रहती है और जहाँ परमाणु प्लांट रहता है वहाँ अलार्म सिस्टम भी होता है जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए सेना पर विश्वास रखना चाहिए धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी धर्मों के लोग भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है भारतवासी अपने मात्रभूमि के लिए लड़ना और मरना, अतः संयम और शांति से देश की प्रगति में सभी योगदान दें विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है ऐ आपकी सुरक्षा के लिए जरुरी है लेकिन जब तब क़ोई देश ने आप पर परमाणु हमला करता तब एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फ़ैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों य़ा इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने।

पाकिस्तान में सुलग रहा विभाजन का लावा

सुरेश हिंदुस्तानी

दुनिया में आतंकिस्तान के नाम से कुख्यात पाकिस्तान की धरती में इस समय विभाजन का लावा सुलग रहा है। यह अलग बात है कि भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद आखिरकार युद्ध विराम हो गया, इससे पाकिस्तान खुश हो सकता है पर इस दौरान उसकी सरजमीं में ऐसा बहुत कुछ घटा है कि बलूचिस्तान उसके हाथ से फिसलता नजर आ रहा है। इस युद्ध विराम के बाद फिर पुराने सवाल उठने लगे हैं कि क्या आतंक को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि पूर्व में ऐसा कहने के बाद भी हर बार पाकिस्तान की ओर से कश्मीर में आतंकी घटनाएं की जाती रही हैं। पहलगांव में आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद हुई भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान पस्त हो गया। पाकिस्तान सरकार की ओर से युद्ध विराम के बारे में कहा गया कि इस समय पाकिस्तान को बचाने की जरूरत है। इस कथन का स्पष्ट आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अगर युद्ध जारी रहता तो पाकिस्तान नाम का देश इस धरती पर नहीं रहता। इसलिए पाकिस्तान ने अपने देश को बचाने के लिए ही यह रास्ता चुना। अमेरिका ने इस मामले में दखल देते हुए दोनों देशों के बीच सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की ओर से हमेशा यही कहा गया कि भारत आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अपना अभियान चला रहा है। इस मामले में विश्व के अधिकांश देश भारत के साथ खड़े होते दिखाई दिए, वहीं पाकिस्तान अकेला हो गया। इससे पाकिस्तान निराश हो गया। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी माना जा सकता है

कि पाकिस्तान के ऊपर ग्रे सूची में आने का खतरा बढ़ता जा रहा था। एफएटीएफ की ओर से पाकिस्तान का ऐसी चेतावनी भी दे दी गई थी। अगर पाकिस्तान ग्रे सूची में आता तो उस पर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे, जो पाकिस्तान के हित में नहीं होते। इस समय पाकिस्तान के अंदर ही अंदर जो लावा सुलग रहा है, उससे उसे बचने का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान ब्लूचिस्तान ने अपनी आजादी की लड़ाई को जारी रखते हुए पाकिस्तान की सेना को अपना निशाना बनाया। यानी पाकिस्तान एक तरफ भारत से लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी ओर उसे अपने ही देश में ब्लूचिस्तान की ओर से कड़ी चुनौती मिल रही थी। पाकिस्तान का आरोप है कि ब्लूचिस्तान को भारत भड़का रहा है। इसे सच नहीं माना जा सकता, क्योंकि ब्लूचिस्तान यह लड़ाई लम्बे समय से लड़ रहा है। अभी कुछ महीने पहले ही बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की ट्रेन को हाईजैक करके पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। अब यही कहा जा सकता है कि ब्लूचिस्तान शायद ही पाकिस्तान में रहे। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान विभाजन के रास्ते पर चल रहा है? क्योंकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी ऐसी ही स्थिति दिखाई देती है। कई विश्लेषक यह दावा कररहे हैं कि पाकिस्तान चार टुकड़ों में विभाजित हो जाएगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने ही देश की जनता के निशाने पर हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की सेना और सेना के साथ कदम मिलाने वाले आतंकी संगठन सरकार के युद्ध विराम वाले निर्णय से नाखुश हैं। इसका परिणाम क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही बताने में समर्थ होगा। लेकिन यह पाकिस्तान की वास्तविकता है कि युद्ध जैसी स्थिति बनने के बाद सेना और आतंकियों ने सरकार के समक्ष गंभीर संकट पैदा किया है। इस बार जंग के हालात पैदा करने के लिए पाकिस्तान की जनता सरकार और सेना प्रमुख को ही पूरी तरह से दोषी मान रही है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पहलगांव की घटना से तीन दिन पूर्व कहा था कि हिन्दू और मुसलमान एक साथ कभी नहीं रह सकते। भारत का कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है। सेना प्रमुख का यह बयान मुसलमानों को भड़काने जैसा ही था। इसलिए पहलगांव की घटना को इसी बयान की प्रतिक्रिया स्वरूप माना जा रहा है। पहलगांव की आतंकी घटना के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए हैं।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी। इंजीनियरिंग के छात्रों को आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। आज किसी के साथ बेवजह की बहसबाजी में ना पड़ें। इससे रिश्ते खराब होंगे और आपके कामों में व्यवधान आएंगे। आज छात्रों को अपनी पढ़ाई के प्रति और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। लापरवाही का असर आपके रिजल्ट पर पड़ सकता है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कार्मों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। बड़े बुजुर्गों के पैर छुएं, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

कर्क राशिः आज बेवजह शुरू हुई समस्याएं समाप्त होंगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा ,जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप विदेश में व्यपार करने की योजना बनायेंगे। आपकी सोशल मीडिया पर किसी से बात हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में बहुत फायदा होगा। व्यायाम करने से, डायबिटीज से संबंधित परेशानी खत्म होंगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। काफी दिनों बाद आज परिवार के साथ समय बिताएंगे। आज उनके प्रति लागाव बढेगा। आज रुके कार्यों में प्रगति होगी। आपके गृहस्थ जीवन में सुख शांति का माहौल बना रहेगा। डिप्लोमा कर रहे छात्रों को अपने सीनियर्स से महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए आप किसी अच्छी कंसलटेंट टीम से बातचीत करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपके रुके हुए कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढेगा। आज किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे। छात्रों की पढाई में रूचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आयेंगे। किसी से लिया ऋण आज वापस करेंगे। आज आपकी परेशानियाँ कम होंगी आपका मन हल्का होगा।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं । मिलजुल कर किये गए कार्यो में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी। आज कम्युनिकेशन के वक्त अपनी बात सही तरह से रखना आपके लिए सम्मान दायक रहेगा ।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन पहले से ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। किसी रिश्तेदार से चली आ रही अनबन आज खत्म हो जाएगी। आज आपको सेहत का ध्यान रखना चाहिए। आज आपके करोबार में बरकत होगी। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी । सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत है। आप अपने भाई बहनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं अचानक आपके किसी अति प्रिय रिश्तेदार या मित्र से मुलाकात होगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नज़र आयेगी। आज अपनी पुरानी गलतियों को भूलकर आगे बढ़ेगे, जल्दी ही आप अपनी सफलता का मार्ग खोज लेंगे। बच्चों की किसी विशेष समस्या का हल मिलने से राहत मिलेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। पिता का आशीर्वाद आपको मिलता रहेगा। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। आज आप दिन की शुरुआत में ही अपनी दिनचर्या की प्लानिंग कर लेंगे, इससे सभी गतिविधियां बेहतर तरीके से पूरी हो जाएंगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। इस राशि के जो लोग बेकरी के बिजनेस से जुड़े हैं उनको आज उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज कामकाज को पूरी गंभीरता से करेंगे। घर के वरिष्ठ लोगों का सहयोग बना रहेगा। आज कार्यस्थल पर वास्तु के नियम का पालन करने से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया से मुकाबले में सावधान रहे : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ए बी डिविलियर्स ने अपने देश की टीम से कहा है कि वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्लयूटीसी) में ऑस्ट्रेलिया से होने वाले मुकाबले को लेकर सावधान रहे। डिविलियर्स ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कभी भी हल्के में लेने की भूल नुकसानदेह रहेगी। साथ ही कहा कि जब भी उसे हावी होने का अवसर मिले उसका लाभ उठाये और ऑस्ट्रेलिया को उसी के आक्रामक अंदाज में जवाब दे। डब्लयूटीसी फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। पूर्व कप्तान ने कहा भले ही इस बार हमारी टीम में अनुभव की कमी हो, फिर भी वह कमजोर नहीं है। इस मैच के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में टोनी डी ज़ोरज़ी, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। विलियर्स ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने पर सभी को कुछ हैरानी भी हुई क्योंकि उनकी टीम में अनुभव की कमी है हालांकि इसके बाद भी टीम में बेहर प्रदर्शन की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हां, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए आश्चर्य की बात है कि हम फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। मैं आश्चर्य इसलिए

कह रहा हूं क्योंकि कि हमारी विरोधी ऑस्ट्रेलिया के पास काफी अनुभवी है। उसके पास टेस्ट मैच प्रारूप में सबसे अधिक अनुभव है और वह लगातार शीर्ष पर रहती हैं। वहीं हमारी टीम इस मामले में पीछे हैं। टीम इस बार कई युवा और अनुभवहीन खिलाड़ियों के होने के बाद भी कमाल का प्रदर्शन करने में सफल रही है। डी विलियर्स ने कहा कि जब भी उन्हें हावी होने का मौका मिले, उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा पाया है कि उनके खिलाफ खेलने का सबसे अच्छा तरीका उन्हीं के अंदाज में जवाब देना है। इसका मतलब यह नहीं कि यह हर किसी के लिए काम करेगा। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि यह इसका सबसे अच्छा तरीका है। दक्षिण अफ्रीका ने 8 जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम टेम्बा बवुमा की कप्तानी में उतरेगी।

नीरज चोपड़ा को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। नीरज ने ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीते हैं। इसके अलावा वह विश्व चैम्पियनशिप विजेता भी हैं। नीरज 26 अगस्त 2016 को नायब सूबेदार के रूप में भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारी के रूप में पहली बार शामिल हुए थे। इसके दो वर्ष बाद नीरज को एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार मिला और फिर 2021 में खेल रत्न से सम्मानित किया गया। इस वर्ष उन्हें सूबेदार के पद पर पदोन्नत किया गया। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर नीरज को 2022 में भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई

भारतीय सेना ने इससे पहले भी कई प्रसिद्ध खिलाड़ियों को उनके खेल में उत्कृष्ट योगदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए मानद सैन्य उपाधियाँ प्रदान की थीं। ।

अभिनव बिंद्रा- निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। बिंद्रा ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्तिगत ओलंपिक चैंपियन रहे हैं।

कपिल देव- भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव को 2008 में टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक प्रदान की गई। यह सम्मान उनके क्रिकेट में योगदान और नेतृत्व के लिए दिया गया। कपिल की कप्तानी में ही साल 1983 में भारतीय टीम ने विश्वकप सहित कई अन्य खिताब जीते थे।

महेंद्र सिंह धोनी- पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को 2011 में 106 टेरिटोरियल आर्मी बटालियन (पैरा) में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। वे एक योग्य पैराट्रूपर भी हैं, जिन्होंने पांच पैराशूट प्रशिक्षण कूद पूरी की। धोनी ने 2019 में कश्मीर में 15 दिन की स्वैच्छिक सेवा भी दी। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2011 विश्वप के अलावा कई अन्य आईसीसी खिताब भी जीते थे।

सचिन तेंदुलकर- महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को 2010 में भारतीय वायु सेना ने ग्रुप कैप्टन की मानद उपाधि प्रदान की। यह सम्मान उनके क्रिकेट में अभूतपूर्व योगदान और युवाओं को प्रेरित करने के लिए दिया गया।

आईपीएल 2025: अब टीमें विदेशी खिलाड़ियों की जगह ले सकेंगी नए खिलाड़ी, लेकिन नहीं कर सकेंगी रिटेन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अंतिम चरण से पहले बड़ा बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने घोषणा की है कि टीमें अब विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अस्थायी स्थानापन्न खिलाड़ी को शामिल कर सकती हैं। यह निर्णय उन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति को देखते हुए लिया गया है जो या तो राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, निजी कारणों या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पा रहे हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भेजे गए आधिकारिक नोट में कहा गया है,"जो खिलाड़ी इस समय से लिए जा रहे हैं, वे अगले वर्ष रिटेन नहीं किए जा सकेंगे। उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी के लिए फिर से पंजीकरण कराना होगा।"

12वें मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ने का नियम हुआ खत्म- सीजन की शुरुआत में जारी नियम पुस्तिका के अनुसार, कोई भी टीम अपने 12वें लीग मैच

के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ सकती थी। लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते टूर्नामेंट को 8 मई से निलंबित करना पड़ा, जिससे यह अपवाद स्थिति बन गई। इस अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए, आईपीएल अधिकारियों ने नियमों में संशोधन कर दिया है।

कई विदेशी खिलाड़ी लौटे, कुछ नहीं होंगे वापस- धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के अगले दिन जब सुरक्षा कारणों से स्टेडियम खाली कराया गया और टूर्नामेंट को रोका गया, तब से अधिकांश विदेशी खिलाड़ी अपने देशों को लौट चुके थे। हालांकि, आईपीएल के दोबारा शुरू होने पर अधिकांश विदेशी खिलाड़ी वापसी करेंगे, लेकिन जो खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हिस्सा हैं या जिनके परिवार उन्हें भारत लौटने की अनुमति नहीं दे रहे, वे वापस नहीं आएंगे। इससे किसी भी टीम को नुकसान न हो, इसीलिए यह अस्थायी विकल्प का रास्ता खुला गया है।

दिल्ली कैपिटल्स का उदाहरण- इस नए नियम का पहला उदाहरण दिल्ली कैपिटल्स की टीम में देखने को मिला है, जहां मुस्ताफिजुर रहमान को जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि रहमान को अगली सीजन के लिए रिटेन नहीं किया जा सकेगा, लेकिन मैकगर्क को टीम में बनाए रखा जा सकता है। आईपीएल 2025 में नियमों में किया गया यह बदलाव संकट की स्थिति में लीग की लचीलापन और निष्पक्षता बनाए रखने का एक प्रयास है, जिससे हर टीम को बराबरी का मौका मिल सके।

जडेजा ने सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने का रिकार्ड बनाया

दुबई। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा पिछले तीन साल से आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। इसकी के साथ ही जडेजा ने सबसे अधिक समय से नंबर एक पर बने रहने का नया रिकार्ड बनाया है। जडेजा के इस रिकॉर्ड को तोड़ना किसी भी ऑलराउंडर के लिए असंभव सा है। वह लगातार 1,151 दिनों तक शीर्ष पर रहे हैं, जो टेस्ट क्रिकेट इतिहास में नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर के रूप में सबसे लंबी अवधि है। ये उपलब्धि दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर जैक्स कैलिस, भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंउर कपिल देव या पाकिस्तान के इमरान खान के नाम भी नहीं है। जडेजा पहली बार 9 मार्च 2022 को टेस्ट क्रिकेट में नंबर वन ऑलराउंडर बने थे।

उस समय उन्होंने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर को पीछे कर वह नंबर एक सथान पर आये थे। इसके बाद से ही वह लगातार नंबर एक पर बने हुए हैं। अब उनके कुल 400 अंक हो गए हैं। वहीं पिछले सत्र की बात करें तो जडेजा ने 30 के औसत से कुल 527 रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाज के तौर पर 24 के करीब के औसत से 48 विकेट लिए हैं। इन आंकड़ों से उनकी निरंतरता का अंदाज होता है।

अर्शदीप को इंग्लैंड दौरे में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। बांए हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने की काफी संभावनाएं हैं। अर्शदीप ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी गेंदबाजी प्रभावी रही है, इसके अलावा बांए हाथ का गेंदबाज हर टीम अपने पास चाहती है जिससे भी उनकी मांग रहेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। ये भी अटकलें हैं कि अर्शदीप को अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के विकल्प के तौर पर रखा जा सकता है। वहीं हर्षित राणा भारत ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। पिछले कुछ समय में शमी का फॉर्म

और फिटनेस एक बड़ी चिंता का कारण रहा है। आईपीएल में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अगर शमी को टीम में जगह नहीं मिलती है तो मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के जोड़ीदार के तौर पर अर्शदीप खेलते हुए दिखेंगे। अर्शदीप का आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह पर्पल कैप के दावेदारों में भी शामिल हैं। भारत का इंग्लैंड दौरा 20 से 24 जून तक हेडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा।

व्यापार

अक्टूबर के बाद पहली बार 25 हजार के पार पहुंचा निफ्टी, निवेशकों को 5.10 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को कारोबार के दौरान जबरदस्त उलटफेर का गवाह बना। शेयर बाजार ने आज सपाट स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। दिन के पहले सत्र में बाजार गिरावट का शिकार हो गया, लेकिन दूसरे सत्र में दोपहर 1 बजे के बाद चौतरफा खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से जोरदार छलांग लगाई। सेंसेक्स इंट्रा-डे में 1,955 अंक और निफ्टी 621 अंक उछल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.48 प्रतिशत और निफ्टी 1.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। बाजार में आई आज की तेजी के कारण निफ्टी अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार 25 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल हो सका। बाजार की मजबूती के कारण निवेशकों को भी जबरदस्त मुनाफा हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद घरेलू शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट

के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। मेटल, रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, कैपिटल गुड्स, फार्मास्यूटिकल और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरफ स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 439.99 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 434.89 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.10 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,114 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,642 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,325 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 147 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,604 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,806 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 798 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर बढ़त के साथ और सिर्फ 1 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 49 शेयर हरे निशान में और 1 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 23.87 अंक की मामूली तेजी के साथ 81,354.43 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक 568.40 अंक गिर कर 80,762.16 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दोपहर 1 बजे के बाद ग्लोबल मार्केट से मिले मजबूत संकेतों और विदेशी निवेशकों की खरीदारी में तेजी आ जाने के कारण इस सूचकांक की चाल भी तेज हो गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के करीब यह सूचकांक निचले स्तर से 1,955.98 अंक उछल कर 1,387.58 अंक की मजबूती के साथ 82,718.14 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 1,200.18 अंक की बढ़त के साथ 82,530.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सैजिलिटी इंडिया का चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ 128 फीसदी बढ़कर 183 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया गया है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 128 फीसदी बढ़कर 183 करोड़ रुपये रहा है। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी को 182.57 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 80.20 करोड़ रुपये की तुलना में 127.64 फीसदी अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व 22.23 फीसदी बढ़कर 1,568.5 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) 238.99 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 92.87 करोड़ रुपये की तुलना में 157.33

फीसदी अधिक है। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड का समायोजित ईबीआईटीडीए 383.20 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 311.90 करोड़ रुपये था। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में समायोजित ईबीआईटीडीए मार्जिन 24.4 फीसदी रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में यह 24.3% था। डॉलर के संदर्भ में कंपनी ने 181.8 मिलियन डॉलर का राजस्व हासिल दर्ज किया है, जबकि समायोजित पीएटी वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 27.8 मिलियन डॉलर रहा। 31 मार्च 2025 तक कंपनी में 39,409 कर्मचारी थे। कंपनी ने कहा कि चौथी तिमाही में कर्मचारियों की संख्या में सुधार हुआ और यह 32.5% हो गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह 30.4% थी। कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रमेश गोपालन ने कहा, "वित्त वर्ष 2024-25 हमारे लिए एक मजबूत वर्ष रहा है, जिसमें भुगतानकर्ता और प्रदाता दोनों बाजार खंडों में लगातार वृद्धि देखी गई है। आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद हमने स्वास्थ्य सेवा उद्योग पर केंद्रित हमारे गहन डोमेन-नेतृत्व वाले दृष्टिकोण और हमारे ग्राहक संबंधों की मजबूती से प्रेरित होकर स्वस्थ विकास हासिल किया है। हमें अब शीर्ष दस अमेरिकी भुगतानकर्ताओं में से छह का समर्थन करने पर गर्व है। उल्लेखनीय है कि सैजिलिटी इंडिया अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा उद्योग में ग्राहकों को प्रौद्योगिकी-सक्षम व्यावसायिक समाधान और सेवाएं प्रदान करता है।

ट्रंप ने एपल से कहा – भारत में न लगाएं फैक्ट्री

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक से कहा है कि कंपनी को भारत में नई फैक्ट्रियां लगाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि भारत अपनी जरूरतों का खुद ख्याल रख सकता है। यह बयान ट्रंप ने कतर यात्रा के दौरान दोहा में बिजनेस लीडर्स के एक कार्यक्रम में दिया। इस कार्यक्रम में उन्होंने टिम कुक के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, "मैं नहीं चाहता कि एपल भारत में प्रोडक्ट बनाए। एपल को केवल भारतीय बाज़ार को ध्यान में रखते हुए वहां फैक्ट्री लगानी चाहिए, न कि उत्पादन के लिए।" ट्रंप ने यह भी कहा कि एपल अब अमेरिका में अपने उत्पादन का स्तर बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि भारत ने अमेरिका को व्यापार में 'ज़ीरो टैरिफ डील' की पेशकश की है, यानी भारत अमेरिका से आयात पर कोई शुल्क नहीं लेना चाहता। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस बातचीत का भारत में एपल की उत्पादन योजनाओं पर कोई प्रभाव पड़ेगा या नहीं। उल्लेखनीय है कि ट्रम्प ने आतंक के मुद्दे पर भारत की पाकिस्तान पर कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष को रोकने में अपनी भूमिका होने का दावा किया था। उनका कहना था कि व्यापार को हथियार बनाकर उन्होंने दो परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों को शांति के लिए मनाया था। हालांकि भारत ने इस दावे का खंडन किया था। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ने अमेरिकी नेताओं के साथ संघर्ष

के दौरान बातचीत की बात स्वीकारी थी लेकिन स्पष्ट किया था कि संघर्ष विराम पाकिस्तान की ओर से किए गए अनुरोध के बाद हुआ है। ट्रम्प ने इसके साथ कश्मीर पर मध्यस्त बनने का भी प्रस्ताव रखा था जिसे भारत ने सीरे से खारिज कर दिया। भारत का कहना है कि कश्मीर द्विपक्षीय मसला है और पीओके ही एकमात्र बातचीत का विषय है। माना जा रहा है कि ट्रम्प का आज का बयान भारत पर दवाब बनाने और उनके दावों का खंडन करने की प्रतिक्रिया हो सकती है। अमेरिका द्वारा भारतीय स्टील और एल्युमीनियम पर शुल्क बढ़ाने के जवाब में भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) में जवाबी टैरिफ का प्रस्ताव दिया है। ऐसे में ट्रंप का यह बयान भारत की चेतावनी के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। फिलहाल भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी है और दोनों देश आपसी समझौते की दिशा में प्रयासरत हैं।

टीसीएस विश्व के शीर्ष 50 ब्रांडों में शामिल, कंपनी का मूल्य 57.3 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली। देश की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 57.3 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ दुनिया के शीर्ष 50 सबसे मूल्यवान ब्रांडों में शामिल हो गई है। इसके साथ ही कंपनी मूल्य बढ़कर 57.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। टीसीएस के मुताबिक प्रतिष्ठित कांटार ब्रांडज़ मोस्ट वैल्यूएबल ग्लोबल ब्रांड्स 2025 रिपोर्ट में टीसीएस को दुनिया के 100 सबसे मूल्यवान ब्रांडों में शामिल किया गया है, जहां वह 45वें स्थान पर है। टीसीएस का ब्रांड मूल्य बढ़कर 57.3 अरब डॉलर हो गया है। शीर्ष 100 में केवल 4 भारतीय कंपनियां इसके शामिल है। कैंटर ब्रैंडज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने पिछले

एक साल में अपने ब्रांड मूल्य में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के मुताबिक टीसीएस ने दुनिया भर में अपनी ब्रांड इक्विटी, जागरूकता और लोकप्रियता में वृद्धि देखी है। पिछले साल कंपनी 41.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ कैंटर ब्रैंडज़ रिपोर्ट में 46वें स्थान पर रही थी। मोमेंटम-आईटीएसएमए की एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक 26 देशों में अपने व्यावसायिक अधिकारियों के साथ टीसीएस ने 95 फीसदी सहायक ब्रांड जागरूकता दिखाई है।

सरकार ने 187 स्टार्टअप को आयकर छूट का लाभ देने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 187 स्टार्टअप कंपनियों को आयकर में छूट देने की मंजूरी दी है। इन स्टार्टअप को यह छूट आयकर अधिनियम की संशोधित धारा 80-आईएसी के तहत दी गई है। इस संबंध में निर्णय अंतर-मंत्रालयी बोर्ड (आईएमबी) की बैठक के दौरान लिया गया। लाभ से पात्र स्टार्टअप को अपने गठन की तारीख से 10 साल की अवधि के भीतर किसी भी लगातार तीन वर्षों के लिए मुनाफे पर 100 फीसदी आयकर कटौती की अनुमति मिलती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि कुल स्वीकृतियों में से 75 स्टार्टअप को 79वीं आईएमबी बैठक के दौरान और 112 को 80वीं आईएमबी बैठक के दौरान मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही योजना की शुरुआत से अबतक 3,700 से अधिक स्टार्टअप को छूट दी जा चुकी है। सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 के दौरान एक

घोषणा में धारा 80-आईएसी के तहत लाभ का दावा करने के लिए स्टार्टअप के लिए पात्रता अवधि बढ़ा दी थी। इसके तहत एक अप्रैल, 2030 से पहले बने स्टार्टअप अब आयकर में छूट के लिए आवेदन के पात्र हैं, जिससे नए उद्यमों को इस वित्तीय राहत से लाभ उठाने के लिए ज्यादा समय और अवसर मिलेगा। स्टार्टअप्स के लिए आयकर में छूट की पात्रता अप्रैल 2030 तक बढ़ाई गई है। आयकर लाभ योजना उभरते व्यवसायों को उनके प्रारंभिक वर्षों में सहायता प्रदान करने, नवाचार, रोजगार एवं धन सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की गई है।

आमिर खान की सितारे जमीन पर का ट्रेलर जारी

20 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

काफी समय से अभिनेता आमिर खान फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए आमिर करीब 3 साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। फिल्म का पहला पोस्टर सामने आने के बाद दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है। अब निर्माताओं ने सितारे जमीन पर का ट्रेलर जारी कर दिया है। सितारे जमीन पर की कहानी डाउन सिंड्रोम पर आधारित है। आमिर अपनी फिल्म के माध्यम से एक और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी पर लोगों का ध्यान केंद्रित करना चाहते थे। यह एक ऐसी बीमारी पर आधारित होगी, जिसे समाज में कलंकित माना जाता है। इस फिल्म से अरौश दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर जैसे बाल कलाकर अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। सितारे जमीन पर के निर्देशन की कमान आरएस प्रसन्ना ने संभाली है। आमिर इस फिल्म का निर्माण अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर कर रहे हैं। आमिर के साथ इस फिल्म में जेनेलिया डिसूजा भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। आमिर अपनी इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने के 2 महीने बाद यूट्यूब पर पे-पर-व्यू (पीपीवी) मॉडल पर रिलीज करेंगे। सितारे जमीन पर के ट्रेलर को आमिर खान प्रोडक्शन के यूट्यूब हैंडल पर रिलीज करने से पहले इसे जी नेटवर्क चैनल पर 7:50-8:10 बजे दिखाया गया था। हमेशा की तरह आमिर के काम को काफी सराहा जा रहा है, वहीं जेनेलिया भी उनके साथ खूब चमक रही हैं। दोनों की अदाकारी को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। आमिर ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 1 टिंगू बास्केटबाल कोच, 10 तूफानी सितारे और उनकी यात्रा। सितारे जमीन पर साल 2007 में आई आमिर की सुपरहिट फिल्म तारे जमीन पर का सीक्वल है। इसमें दर्शील सफारी, टिस्का चोपड़ा, विपिन शर्मा और तनय छेड़ा जैसे कलाकार नजर आए थे। आमिर ने खुद इस फिल्म का निर्देशन किया था। 12 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म तारे जमीन पर ने भारत में 62.95 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि दुनियाभर में यह 98.50 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध है।

मैं अभी शुरुआती दौर में हूं: पलक तिवारी

हाल ही में अभिनेत्री पलक तिवारी ने अपनी मां और टीवी की जानी-मानी अदाकारा श्वेता तिवारी से बार-बार की जाने वाली तुलना पर खुलकर बात की। 'किसी का भाई किसी की जान' और 'द भूतनी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं पलक का मानना है कि वह अभी करियर की शुरुआत में हैं, ऐसे में उनकी तुलना अपनी मां जैसी अनुभवी और सफल अभिनेत्री से करना सही नहीं है। पलक ने कहा कि वह अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं और चाहती हैं कि उनके जैसी ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ खुद को दर्शकों के सामने पेश करें। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, "ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूं और मां पर ही छोड़ देती हूं। उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से करना सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूं, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूं।" 'बिजली-बिजली गर्ल' के नाम से मशहूर पलक ने यह भी बताया कि यदि वह दर्शकों से अपनी मां जितना जुड़ाव बना सकीं, तो वह खुद को सफल मानेंगी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी मां का टीवी इंडस्ट्री में बहुत लंबा और शानदार करियर रहा है, जबकि उनका सफर अभी शुरू ही हुआ है। पलक जल्द ही एक्शन-ड्रामा फिल्म 'रोमियो एस 3' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन गुड्डू धनोआ ने किया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने लगातार खुद को बेहतर साबित करने की कोशिश की और गुड्डू धनोआ जैसे अनुभवी निर्देशक के साथ काम करना उनके लिए सम्मान की बात रही। 'रोमियो एस 3' 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें पलक एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा अवसर है।

मोनालिसा ने शेयर की बोल्ड तस्वीरें, फैंस ने लुटाया प्यार

भोजपुरी सिनेमा की हॉट और ग्लैमरस एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में आ गई हैं. शुक्रवार की शाम मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ स्टनिंग फोटोज शेयर कीं, जिसने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया. ब्लैक आउटफिट में मोनालिसा का यह दिलकश अंदाज़ फैन्स को खूब पसंद आ रहा है.

इस फोटोशूट में वो काउंटर टेबल के पास पोज़ देती दिख रही हैं और उनका कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन दोनों ही लाजवाब लग रहे हैं. कैप्शन में उन्होंने लिखा – शुक्रवार का मूड कैसा हो और साथ में एक क्यूट सा इमोजी भी जोड़ा. तस्वीरों पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बौछार हो गई. फैन्स ने उन्हें गॉर्जियस, हॉटनेस ओवरलोड और फायर क्वीन जैसे टैग दिए. किसी ने रेड हार्ट इमोजी से भर दिया तो किसी ने फायर और हॉट फेस इमोजी के साथ अपनी दीवानगी जताई. बता दें, मोनालिसा ना सिर्फ भोजपुरी फिल्मों में बल्कि टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं. वे नज़र, नमक इश्क का और बिग बॉस 10 जैसे पॉपुलर शोज़ में नजर आ चुकी हैं. उनकी बोल्डनेस और फैशन सेंस अक्सर सुर्खियों में रहता है. मोनालिसा की ये लेटेस्ट तस्वीरें एक बार फिर यह साबित करती हैं कि वह सोशल मीडिया की क्वीन्स में से एक हैं और अपने अंदाज़ से हर बार दिल जीतना बखूबी जानती हैं.

जब अदिति शंकर ने पिता के लिए कहा, वह मेरी फिल्म नहीं देखेंगे तो मैं उनसे लड़ूंगी

मशहूर निर्देशक एस. शंकर की बेटी और अभिनेत्री अदिति शंकर ने मजाकिया अंदाज में कहा है कि उनके पिता के पास उनकी फिल्में देखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। यदि वह उनकी फिल्में नहीं देखेंगे, तो वह उनसे लड़ेंगी और नाराज हो जाएंगी। तमिल सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद खूबसूरत अभिनेत्री अब निर्देशक विजय कनकमेडाला की अपकमिंग एक्शन फिल्म भैरवम के साथ तेलुगू में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म भैरवम की यूनिट ने प्रमोशन के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या उनके पिता उनकी फिल्में देखते हैं? अभिनेत्री ने हंसते हुए कहा, उनके पास कोई और ऑप्शन नहीं है। अगर वह मेरी फिल्में नहीं देखेंगे तो मैं उनसे लड़ूंगी। भैरवम में अदिति शंकर, आनंदी और दिव्या पिल्लई के साथ बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास, मनोज मांचू और नारा रोहित मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में अदिति शंकर एक ऐसा किरदार निभाएंगी जो बोल्ड और ईमानदार होने के साथ-साथ चुलबुली भी है। अदिति कहती हैं, इस फिल्म में मेरा किरदार मुझसे काफी मिलता है। निर्देशक विजय ने तमिल में मेरी पहली फिल्म देखी और उन्हें लगा कि मैं भैरवम के किरदार के लिए परफेक्ट रहूंगी। उन्होंने मुझे फोन किया और इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया और इस तरह मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी। अदिति ने कहा, मैं पिता के साथ शूटिंग के लिए रामोजी फिल्म सिटी और तेलुगू राज्यों में जाती थी। अब वहां अपनी खुद की फिल्म की शूटिंग करना एक सपने के सच होने जैसा है। मैं हमेशा से तेलुगू में काम करना चाहती थी। तेलुगू दर्शकों के लिए इतनी अच्छी फिल्म लेकर आने से मुझे बहुत खुशी हुई। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को करते समय उन्हें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, तो अदिति ने कहा कि उन्हें शुरू में लगा था कि भाषा बाधा बनेगी। लेकिन निर्देशक और लेखक सत्या ने मेरी बहुत मदद की। उनकी मदद से मेरा सफर आसान बन गया। श्री सत्य साईं आर्ट्स के बैनर तले के.के. राधामोहन ने फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म इस साल 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

भूषण कूमार ने मिलाया पुष्पा के मेकर्स से हाथ, अब ऋषभ शेट्टी की जय हनुमान नॉर्थ इंडिया में भी छाएगी

कांतारा फेम स्टार ऋषभ शेट्टी अपनी फिल्म कांतारा के प्रीक्वल की तैयारियों में जुटे हुए हैं. फिल्म मौजूदा साल के दशहरा के मौके पर रिलीज होने वाली है. इसी के साथ ऋषभ ऐतिहासिक और पौराणिक फिल्म जय हनुमान को लेकर भी चर्चा में हैं. इस फिल्म का डायरेक्शन हनुमैन के डायरेक्टर प्रशांत वर्मा कर रहे हैं और पुष्पा के मेकर्स मूवी मैत्री मेकर्स इसका निर्माण कर रहे हैं. अब फिल्म से टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार भी जुड़ गए हैं. टी-सीरीज ने सोशल मीडिया पर आकर इस बात की जानकारी दी है. अब कहना गलत नहीं होगा कि जय हनुमान पैन-इंडिया में अपनी जलवा दिखाने वाली है. भूषण कुमार ने मूवी मैत्री मेकर्स से सहयोग पर कहा है, जय हनुमान एक शानदार कहानी है और भारत की सांस्कृतिक विरासत से

जुड़ी इस कहानी को हम आगे बढ़ाने का कम कर रहे हैं, यह फिल्म भारतीय सिनेमा और भक्ति का त्योहार है, जिससे जुड़कर हम उत्साहित हैं, फिल्म में ऋषभ शेट्टी का होना इसके खान बनाता है. वहीं, मूवी मैत्री मेकर्स का इस कोलैब्रेशन पर कहना है, भारत के कोने-कोने में बसे दर्शकों के लिए फिल्म जय हनुमान लाना हमारे लिए जरूरी है और हमें इस पर गर्व भी है, यह फिल्म हमारे दिल के सबसे करीब है, टी-सीरीज जैसी दिग्गज कंपनी के साथ जुड़ना हमारे लिए सम्मान की बात है, हम उत्साहित हैं, और इस फिल्म को बड़े पैमाने पर रिलीज करने के लिए तैयार हैं. अब फिल्म उत्तर भारत में भी अपना जलवा दिखाती नजर आएगी. बता दें, प्रशांत वर्मा जय हनुमान बना रहे हैं और यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है. इस पर प्रशांत वर्मा का कहना है, यह फिल्म ना सिर्फ बजरंगबली की भक्ति और साहस के बारे में है, बल्कि यह बताती है कि विश्वास की शक्ति पहाड़ को भी उखाड़ सकती है.

सिकंदर के विलेन प्रतीक ने शादी में पिता और परिवार को नहीं बुलाया, अब खोला राज

> मेरी मां स्मिता पाटिल और सौतेली मां के बीच अनबन थी, मुझे अफसोस तो है...

बॉलीवुड अभिनेता और राजनेता राज बब्बर के बेटे प्रतीक बब्बर ने इसी साल 14 फरवरी को अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड प्रिया बनर्जी से शादी रचा ली। हैरानगी की बात यह है कि इस इंटीमेट वेडिंग में न ही उनके पिता राज बब्बर शामिल हुए और ना ही उनका परिवार। इसको लेकर अब प्रतीक ने कहा कि आखिर क्यों उन्होंने अपने पिता को शादी में नहीं बुलाया। प्रतीक बब्बर, राज बब्बर और उनकी पत्नी-अभिनेत्री स्मिता पाटिल के बेटे हैं। स्मिता के निधन के बाद राज बब्बर अपनी पहली पत्नी नादिरा के पास चले गए थे जिनसे उनके दो बच्चे आर्य और जूही हैं। प्रतीक ने अपनी शादी में पिता राज बब्बर या उनके परिवार को नहीं बुलाया तो चारों तरफ उनके पिता के साथ रिश्ते और सौतेले भाई-बहन और मां के साथ बॉन्डिंग पर सवाल उठने लगे। फिल्म सिकंदर में विलेन की भूमिका निभाने वाले प्रतीक बब्बर ने एक साक्षात्कार में बताया कि उनकी मां स्मिता पाटिल और सौतेली मां नादिरा के बीच पहले अनबन थी। इसलिए वह नहीं चाहते थे कि वह अपने घर में उन्हें बुलाएं। प्रतीक ने कहा कि मेरे पिता की पत्नी और मेरी मां के बीच अतीत में कुछ कॉम्प्लीकेशंस थीं, अगर आप 38-40 साल पहले की बात करें तो प्रेस और इस तरह की कई बातें कही गई हैं। प्रतीक बब्बर ने कहा कि मुझे लगा कि जो भी उनके बीच हुआ, वो सबकुछ खत्म हो जाने के बाद उन्हें और उनके परिवार को घर पर बुलाना अनैतिक था। यह बिल्कुल सही नहीं था। हमें जो करना चाहिए था, वह सब जाहिर है कि अब परिस्थितियां

अलग हैं, सब कुछ गलत हो गया है और यह बहुत कॉम्प्लीकेटेड है लेकिन यह मेरे लिए नहीं है। मैं अभी भी वैसा ही हूं। प्रतीक बब्बर का कहना है कि उन्होंने सिर्फ अपनी मां के लिए किसी को नहीं बुलाया। उन्होंने कहा कि यह किसी को रिजेक्ट करने के बारे में नहीं था। यह मेरी मां और उनकी इच्छाओं का सम्मान करने के बारे में था। मुझे अफसोस है कि मेरे पिता और उनकी पत्नी वहां नहीं रह सके, उस घर में नहीं रह सके जिसे मेरी मां ने मेरे लिए खरीदा था ताकि एक सिंगल मदर बनकर जिंदगी जी सकें।

Pakistan's nuclear weapons should be taken under surveillance: Rajnath Singh

Srinagar: Defence Minister Rajnath Singh reached Srinagar to encourage the soldiers after the success of Operation Sindoor. Defence Minister Rajnath Singh inspected the remains of Pakistani shelling dropped at Badami Bagh cantonment. Rajnath Singh said, ... The whole world has seen how Pakistan has irresponsibly threatened India with nuclear weapons several times. Today, from the soil of Srinagar, I want to raise this question before the whole world that are nuclear weapons safe in the hands of such an irresponsible and cunning nation? I believe that Pakistan's nuclear weapons should be taken under the supervision of IAS (International Atomic Energy Agency). Defence Minister Rajnath Singh said, in this difficult situation, I am feeling very proud to be among you all today. Under the able leadership and guidance of our Prime Minister, whatever you did during 'Operation Sindoor' has filled the whole country with pride. I may be your Defence Minister now, but before that I am a citizen of India. Along with being

the Defence Minister, I have come to express my gratitude to you as a citizen of India.Rajnath Singh said, I have come to feel your energy, which destroyed the enemies. The way you destroyed the Pakistani posts and bunkers across the border, the enemy will never be able to forget it. Usually people lose their senses in enthusiasm. But you kept your enthusiasm, your senses and destroyed the enemy's hideouts with prudence. The Defence Minister said, Operation Sindoor is the biggest action in the history of India against terrorism. For the last 35-40 years, India has been facing terrorism being run from across the border. Today India has made it clear to the whole world that we can go to any extent against terrorism. By carrying out the terrorist incident in Pahalgam, an attempt was made to hurt India's forehead, an attempt was made to break the social unity of India. They attacked India on the forehead, we have wounded them on their chest. The cure for Pakistan's wounds lies in the fact that it stops giving shelter to anti-India and terrorist organizations, and does not allow its land to be used against India. Defence Minister Rajnath Singh said, as for Pakistan, that country has reached such a state due to its ignorance of begging that it can also be said about it that wherever Pakistan stands, the line of beggars starts from there. You must have heard how it once again went to the UN to ask for a loan. On the other hand, our country is one of those countries that give funds to the UN so that the UN can give loans to poor countries.

Home Minister Vijay Sharma's strict stand on the offer of peace talks by Maoists

Raipur: On the offer of peace talks from the Maoist organization once again, Chhattisgarh Deputy Chief Minister and Home Minister Vijay Sharma has clearly said that talks will be possible only when the Maoists themselves come forward and take the initiative. He also reiterated that if those who never stood with Bastar in its struggle and suffering talk about peace today, then it cannot be accepted. Home Minister Sharma said that some organizations and individuals are coming up with proposals for talks, but these are the same people who never came forward in support of the innocent tribals killed in incidents like Chingavaram, Ghoda Gaon, Errabor, Darbha Guda, Tadmetla and Jheeram Ghati. He raised the question that when tribals were killed in these horrific incidents and Chhattisgarh leaders were attacked, where was the sympathy of these people? He also said that these people remained silent on the tragedies of places like Manikonta, Raniboli and

Tadmetla. Now suddenly they have come forward and started giving instructions on what the state and central government should do. The Home Minister made it clear that talks cannot be held through any organization or person in this way. Vijay Sharma said that if the Maoists really want to talk, then the government is ready to talk to them. Neither the central government nor the state government wants violence. Union Home Minister Amit Shah and Chief Minister Vishnudev Sai also appeal to the Maoists to return to the mainstream. He also clarified that this is not a matter of victory or defeat, Maoists are also citizens of India, who have lost their way. They will be given a chance for rehabilitation, the government is fully prepared to return to the mainstream with dignity. The Chhattisgarh government no longer uses the word 'surrender', but says 'return to the mainstream'. Sharma also informed that the authenticity of the letter received from the Maoists is also being investigated. He said that some time ago meetings were held in Hyderabad, in which some private and institutional people were involved. Now the same people are trying to show direction to the government, whereas they never became partners in the suffering of Bastar. In the end, the Home Minister reiterated that the government is fully committed to taking the Constitution and development to every corner of Bastar. Under the leadership of Chief Minister Vishnudev Sai and Home Minister Amit Shah, the government is working with full force to take Bastar on the path of peace and prosperity. Banchhor

Dumper hits auto in Hardoi, Uttar Pradesh, 6 people killed

Hardoi: A tragic road accident took place in Hardoi, Uttar Pradesh on Thursday morning. Six people died in a collision between an auto rickshaw full of passengers and a dumper. Apart from this, many people were also injured. The case is from Kasimpur police station area of Hardoi. It is being told that an auto rickshaw was carrying passengers in Kasimpur area. Then a dumper coming from the front hit the auto. The accident was so painful that the auto was shattered and six people riding in it died on the spot, while three people were seriously injured. After the accident, a crowd of local people gathered at the spot and they immediately informed the police about it. The police reached the spot and took the bodies in their possession and sent them for post-mortem. Also, the injured were admitted to the Community Health Center for treatment. Along with this, the police removed the auto which was a victim of the road accident from the way and also got the jam on the road cleared. At present, the police is identifying the dead. Earlier, in a tragic accident on Thursday morning in Lucknow, the capital of Uttar

Pradesh, five passengers died in a bus fire. The double-decker bus was coming from Patna to Delhi. Chief Minister Yogi Adityanath has expressed grief over this accident and given necessary instructions to the officials. The case is of Kisan Path of Mohanlalganj Kotwali area. It is being told that a double-decker bus full of passengers was going from Patna to Delhi, when suddenly the bus caught fire as soon as it reached Kisan Path in Lucknow. There were many passengers in the bus and there was chaos after the smoke filled the bus. However, five passengers lost their lives in it.

Health Department releases community based monitoring website to detect outbreaks and disease trends,

Korba: Government of India IDSP, IHI has launched a community based surveillance website www.communitysurveillance.in to detect outbreaks and disease trends in the area through local residents . Chief Medical and Health Officer Dr. S.N. Kesari said that local residents can give information on outbreaks, abnormal health events in the area and the prevalence of any disease or group of diseases over time by visiting the community based surveillance website. In this website, the informant will have to provide his mobile number and enter a one time OTP to ensure authenticity and security for submitting information. Along with

this, any supporting evidence, documents or pictures will also have to be uploaded. In this regard, instructions have been issued to the block medical officers of all the development blocks. The Chief Medical and Health Officer has appealed to the citizens of the district that as soon as an outbreak and disease trend is detected in the area, information can be uploaded on the community based website so that necessary action can be taken for disease control on time.

Pollution at peak in Delhi after dust storm, Aam Aadmi Party targets BJP

New Delhi: The air quality in the capital Delhi is continuously deteriorating and the situation has become so serious that the Air Quality Index has crossed 500. Regarding this, the Aam Aadmi Party has strongly attacked the Bharatiya Janata Party. Senior party leader and former Deputy Chief Minister Manish Sisodia made a scathing attack. He said, all four engines of the BJP's four-engine government are emitting smoke in Delhi. Here the AQI is 500, meaning poison! Neither the sunlight is visible, nor can one breathe. There is a burning sensation in the eyes and sore throat. Sisodia, while accusing the government, said that neither the central government nor the Lieutenant Governor

of Delhi has any plan, nor accountability and nor any emergency plan. He said, only speeches and slogans are being given, while the people of Delhi now do not want speeches, they want breath. They want life, not slogans. AAP MLA Atishi also targeted BJP through social media. She wrote, Delhi's AQI has never increased so much in the month of May before. According to the data of CPCB (Central Pollution Control Board), from 2022 to 2024, AQI never went above 243 on May 15. But today AQI has crossed 500. Will BJP take responsibility for this serious situation? Where is the Environment Minister of Delhi? Aam Aadmi Party says that this level of pollution in Delhi is not only dangerous for health, but it also points to administrative failure. According to experts, AQI 500 means that the level of pollution in the air is extremely dangerous and it can be fatal especially for children, the elderly and people suffering from respiratory diseases. Aam Aadmi Party has demanded that emergency plan should be implemented with immediate effect and central government and lieutenant governor's office should take concrete action to control pollution.

Pakistan and TRF's hand in Pahalgam terrorist attack, India opened the black book with evidence in UN

New Delhi: India has put Pakistan and its terrorist network in the dock on the international platform for the horrific terrorist attack in Pahalgam, Jammu and Kashmir. India has proved with evidence in the United Nations (UN) that Lashkar-e-Taiba and its front organization 'Lashkar-e-Taiba' (LTR) are behind this attack. On April 22, terrorists brutally murdered 26 tourists in Pahalgam after asking their religion. In response to this, India took strict action under 'Operation Sindoor' on the terrorist hideouts across the border. Now India has also opened a diplomatic front at the international level with evidence regarding this attack. On Thursday, India presented detailed evidence before the United Nations Counter-Terrorism Office (UN Counter-Terrorism) and the Counter-Terrorism Committee Executive Directorate (CTC). These

evidences have exposed the direct links between NAS and Lashkar-e-Taiba. India has demanded that NAS be declared a globally banned terrorist organization. The documents presented by India make it clear that NAS is a front organization of Lashkar-e-Taiba, which is supported by Pakistan's intelligence agency ISI. NAS had taken responsibility for the attack immediately after it, but later retracted it under international pressure and instructions from Pakistan. According to Indian officials, NAS had withdrawn the statement at the behest of its masters across the border. This terrorist organization is continuously using social media and local networks to spread terror in Jammu and Kashmir. According to sources, India has also approached the UN's 1267 committee to declare NAS a terrorist. This is the third time after May and November 2024 that India has presented strong evidence against NJP in front of this committee. India has made it clear that it follows the policy of 'zero tolerance' against terrorism. A joint team of the Ministry of External Affairs and national security agencies met the UN representatives and exposed the truth of NJP's dangerous intentions and his Pakistani protection.

Pay special attention to the work quality and time limit of construction works - Mayor

» 0 Mayor Sanjudevi Rajput inspected the road divider construction work

Korba: While giving directions to the officers of the corporation, Mayor Mrs. Sanjudevi Rajput has said that they should pay special attention to the time limit of work completion, keeping focus on the quality of development and construction works, quality of material used, regularly monitor the works and finally ensure that the work is being executed as per the set standard. She said that maintaining quality during work makes the work durable, which benefits the general public and the city for a long time, hence quality is of special importance in construction works. The above instructions were given by Mayor Smt. Sanjudevi Rajput during the inspection of the road divider being constructed under TP Nagar Zone. The Municipal Corporation Korba is getting the work of divider construction and electrification done with railing from Central Store to Stadium Chowk via Ashok Vatika under TP Nagar Zone at a cost of Rs. 01 crore 28 lakh. Mayor Smt. Sanjudevi Rajput inspected the said divider construction work along with the engineers of the corporation, saw the quality and progress of the work, she instructed the officers to keep special focus on quality during the work and complete the work within the stipulated time frame by speeding up the work. She said that a large number of small and big vehicles ply on the said road, the said road divider is being constructed with a view to making the traffic system here smooth and safe so that the traffic system there can be efficient and the common citizens do not face unnecessary inconvenience in traffic. On this occasion, Zone Commissioner and Executive Engineer Akhilesh Shukla, Assistant Engineer Sunil Tanday, Deputy Engineer Somnath Dehre, Deepak Yadav and representatives of the construction agency were present. Cleaning works reviewed - On this occasion, Mayor Mrs. Sanju Devi Rajput inspected the cleaning works while visiting the areas from CSEB check to the stadium and nearby areas. She instructed the officers to regularly carry out cleaning works and immediately lift and transport the garbage generated during cleaning work. Mayor Mrs. Rajput also inspected the street lighting system installed on the said road and checked whether the street lights of the road are lit or not and instructed the officers to install street lights as per the need and to monitor the lights to be lit at night.

Sriganganagar: Drone found 15 km from India-Pakistan border, BSF started investigation

Sriganganagar: A drone has been found in 12A-Anupgarh in Sriganganagar district of Rajasthan. This drone was found about 15 km from the India-Pakistan border. Local people saw a drone lying in 12A-Anupgarh on Thursday morning. After this they informed the local police and BSF. Anupgarh police and BSF personnel have reached the spot and started investigation. The drone has been found in an area just 15 km from the India-Pakistan border at a time when a ceasefire was recently announced between the two countries. Let us tell you that India has caused massive damage to Pakistan under Operation Sindoor. Air Marshal AK Bharti had said that India's goal was only to target terrorist bases, but unfortunately the Pakistan Army made it its fight by supporting the terrorists. It is noteworthy that in response to the drone and missile attacks by Pakistan during May 7 to 9, India destroyed many air defense systems of Pakistan including Lahore. Also, India retaliated on 11 Air Force bases of Pakistan

on the night of May 9-10, including Noor Khan, Rafiqui, Muridke, Sukkur, Sialkot, Pasrur, Chunian, Sargodha, Scaru, Bholari and Jacobabad. This was the first time that a country successfully damaged the Air Force camps of a nuclear-capable nation. These attacks damaged Pakistan's F-16 and JF-17 fighter plane bases, destroying 20 percent of the Pakistan Air Force's infrastructure. At the same time, more than 50 military personnel including Pakistan's Squadron Leader Usman Yusuf were killed and several fighter planes were destroyed in the attack on Bholari Airbase.

(Kota) Young man going to a wedding dies in a road accident: A high speed bike hit him from behind

Kota: The ominous shadow of death suddenly came in the way of two friends who were going to participate in the happiness of marriage. One youth died on the spot while another youth was injured in a tragic road accident on Kota-Bundi highway on Wednesday evening. The deceased has been identified as Shubham Prajapat (28), who was working in a private power company Yashasthru in Kota. After the accident, there is mourning among Shubham's family and friends. The accident took place near Dhanava Resort located in Taleda police station area at around 7 pm on Wednesday evening. Shubham was going from Kota to Barudhan to attend a wedding ceremony with his friend Sanjay. Both were riding on the same bike. During this, a high-speed bike (Jaipur number) coming from behind hit their bike. The collision was so strong that both the youths fell on the road. The police reached the spot and immediately sent the injured to the hospital with the help of 108 ambulance. Shubham died before reaching MBS Hospital, Kota. His friend Sanjay suffered minor injuries and was discharged after first aid. The postmortem of Shubham's body will be done on Thursday morning. The police have informed the family of the deceased about the accident and further action has been started. Shubham's father Suresh Prajapat said that his son was working in YESHWASTRU (Kota Electricity Distribution Limited) in Kota and was taking care of his family with hard work. On Wednesday, he was going to attend the wedding of a close friend in Barundhan village with his friend Sanjay. This unfortunate accident happened on the way. Suresh said that Shubham was a very responsible and sensible son. He used to handle every household work himself. Even today we cannot believe that he is no longer among us. RS Deshraj, Taleda police station, said that the information about the accident was received at around 7 pm. On reaching the spot, both the youths were found lying on the road in an injured state and their bike was lying nearby. Initially it was said that due to a cow suddenly coming on the road, the bike riders in front lost their balance and the speeding bike coming from behind hit them. However, the reality will be confirmed only after investigation. Further action and section will be decided on the basis of the complaint of the deceased's family. The number of the speeding bike that caused the accident is registered from Jaipur. The police is now engaged in identifying the bike owner and driver on the basis of that registration number. CCTV footage is also being scanned, so that it can be clear whether the accident happened due to negligence or it is a case of speeding and careless bike driving.